www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 5 हजार सरकारी स्कूल बंद करके, विश्व गुरु बनेगा भारत?

इजराइल ने गाजा में पहली बार मदद पहुंचाई 06

वर्ष :17 | अंक :117 | प्रयागराज ,सोमवार , 28 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

सिनेमा घर को लाइसेंस देने का अधिकार दिल्ली पुलिस से वापस लेकर सरकार को सौंपा गया

दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने सिनेमा घर, थिएटर और मल्टीप्लेक्स को लाइसेंस देने का अधिकार पुलिस से वापस लेकर सरकार को दे दिया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज निवास की ओर से शुक्रवार को जारी एक आदेश में, उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वह संबंधित पुलिस अधिकारियों को चलचित्र अधिनियम के तहत लाइसेंस देने से संबंधित मामलों से तत्काल प्रभाव से अलग रहने का निर्देश दें। अधिकारी ने बताया कि लाइसेंसिंग व्यवस्था को और उदार बनाने तथा दिल्ली में कारोबार को सुगम बनाने के उद्देश्य से उठाए गए इस कदम के तहत संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली समिति के पास चलचित्र अधिनियम, 1952 के तहत लाइसेंस देने की सिफारिश करने का अधिकार होगा। समिति में संबंधित एमसीडी जोन के उपायुक्त, लोक निर्माण विभाग के सचिव की ओर से नामित एक संरचनात्मक इंजीनियर, दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुख्य अग्निशमन अधिकारी की ओर से नामित एक अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ और बिजली विभाग के सचिव की ओर से नामित एक विद्युत प्रणाली विशेषज्ञ शामिल होंगे। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि भी जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नामित किया जाएगा।

सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ जारी, चार माओवादियों का शव बरामद

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच जारी मुठभेड़ में अब तक चार माओवादियों के शव बरामद किये गये हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान शाम (शनिवार) से ही सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने अब तक मुठभेड़ स्थल से चार माओवादियों के शव और इंसास, एसएलआर राइफलों सहित कई अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री व दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की हैं। उन्होंने बताया कि चूंकि अभियान अभी भी जारी है, इसलिए मुठभेड़ के स्थान, अभियान में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी इस समय साझा नहीं की जा सकती। अधिकारियों ने बताया कि अभियान पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़, 6 की मौत ,29 घायल

मंदिर से 25 सीढ़ी पहले हादसा, चश्मदीद बोला- तार में करंट उतरा, पुलिस बोली- ये अफवाह

भीषण भगदड़

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में श्रावण मास की भीड़ के दौरान बिजली के झटके की अफवाह से भीषण भगदड़ मच गई। इस हृदय विदारक हादसे में 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए, जिनका इलाज जारी है। मुख्यमंत्री ने तुरंत संज्ञान लेकर राहत कार्यों में तेजी के निर्देश दिए हैं।

एजेंसी

उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह एक भीषण भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। इस दुखद घटना के बाद राज्य में शोक का माहौल है। घटना का कारण और शुरूआती जानकारीप्रारंभिक जानकारी के अनुसार, श्रावण मास के चलते मनसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। पुलिस के वरिष्ठ अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने बताया कि भगदड़ मंदिर मार्ग से लगभग 100 मीटर नीचे सीढ़ियों पर बिजली का झटका लगने की अफवाह फैलने के बाद मची। इस अफवाह के कारण लोगों में अफरा-तफरी मच गई, जिसके परिणामस्वरूप भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि, भगदड़ के सटीक और विस्तृत कारणों की पुष्टि के लिए पुलिस द्वारा गहन जाँच जारी है। एसएसपी डोभाल ने जानकारी दी, 'हमें कुछ लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी।

मुख्यमंत्री का संज्ञान और राहत कार्य

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर तुरंत संज्ञान लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल घटनास्थल पर पहुँच गए हैं

यूपी के 4 श्रद्धालुओं की मौत, सीएम योगी ने 2-2 लाख के मुआवजे का किया ऐलान

हरिद्वार मनसा देवी मंदिर भगदड़ में 6 की मौत, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने जताया दुख

हरिद्वार: उत्तराखंड के हरिद्वार मनसा देवी मंदिर मार्ग पर मची भगदड़ में अब तक 6 लोगों की मौत हो गई. अभी मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है. जबकि, 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए. बताया जा रहा है कि मनसा देवी मंदिर परिसर में करंट लगने की अफवाह से भगदड़ मची. इस घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है. मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ में 6 की मौत: जानकारी के मुताबिक, यह हादसा आज यानी 27 जुलाई की सुबह करीब 8 से 8.30 बजे के बीच हरिद्वार मनसा देवी मंदिर मार्ग के सीढ़ियों पर हुआ.

सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र सुरक्षा सर्वोपरि : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आदि तिरुवथिराई महोत्सव में हिस्सा लेकर भारतीय संस्कृति, चोल साम्राज्य की महानता और राष्ट्र सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने सेंगोल की स्थापना और वर्तमान भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण की कामना की।

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आयोजित आदि तिरुवथिराई महोत्सव में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और राष्ट्र की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण और देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की।

आध्यात्मिक अनुभव और काशी का नाता

कार्यक्रम के दौरान जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'मैं तो काशी का सांसद हूं और जब मैं 'ॐ नमः शिवाय' सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। शिव दर्शन की अद्भुत ऊर्जा, श्री इलैयाराजा का संगीत और मंत्रोच्चार, यह आध्यात्मिक अनुभव मन को भावविभोर कर देता है।' उन्होंने भगवान शिव से सभी पर कृपा बरसाने की प्रार्थना करते हुए 'हर हर महादेव' का जयघोष किया। यह उस भारत के सपने की प्रेरणा है, जिसे लेकर आज हम विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चोल राजाओं ने भारत को सांस्कृतिक एकता में पिरोया था और आज केंद्र सरकार चोला युग के उन्हीं विचारों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने काशी-तमिल संगमम् और सौराष्ट्र-तमिल संगमम्जैसे आयोजनों का उदाहरण दिया, जिनके माध्यम से सदियों पुराने एकता के सूत्रों को मजबूत किया जा रहा है।

गंगईकोंडा चोलपुरम से पीएम मोदी का संदेश

चोल साम्राज्य की विरासत और विकसित भारत का लक्ष्य

प्रधानमंत्री ने चोल राजाओं के राजनयिक और व्यापारिक संबंधों के विस्तार का उल्लेख किया, जो श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण-पूर्व एशिया तक फैले हुए थे। उन्होंने इस बात पर भी गौर किया कि वे एक दिन पहले ही मालदीव से लौटे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि चोल साम्राज्य का इतिहास और उसकी विरासत भारत के वास्तविक सामर्थ्य का प्रतीक है

'सोने की चिड़िया' नहीं, अब भारत को 'शेर' बनने का समय आ गया है: आरएसएस प्रमुख

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भागवत केरल के कोच्चि में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन को संबोधित किया.

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि योगी अरविंद ने कहा कि सनातन धर्म का उत्थान ईश्वर की इच्छा है और सनातन धर्म के उत्थान के लिए हिंदू राष्ट्र का उदय नियत है. ये उनके शब्द हैं, और हम देखते हैं कि आज की दुनिया को इस दृष्टिकोण की आवश्यकता है. इसलिए, हमें पहले यह समझना होगा कि भारत क्या है.

एजेंसी

कोच्चिः आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया शक्ति को समझती है और इसलिए भारत को आर्थिक रूप से भी सशक्त और समृद्ध बनना होगा. भागवत ने कहा कि भारत को अब सोने की चिड़िया बनने की जरूरत नहीं है, बल्कि अब शेर बनने का समय आ गया है. आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 'ज्ञान सभा' में बोलते हुए उन्होंने कहा, यह जरूरी है क्योंकि दुनिया शक्ति को समझती है. इसलिए भारत को सशक्त बनना चाहिए. उसे आर्थिक रूप से भी समृद्ध बनना होगा. भागवत ने यह भी कहा कि भारत, व्यक्तिवाचक संज्ञा है, इसका अनुवाद इस रूप में नहीं किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा, भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है. इसका अनुवाद 'इंडिया, भारत' नहीं होना चाहिए. यह सच है. लेकिन भारत, भारत ही है. इसलिए, बातचीत, लेखन और भाषण के दौरान, चाहे वह व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक, हमें भारत को भारत ही रखना चाहिए.

'अभी से इतना हंगामा क्यों, आपत्ति दर्ज करने के लिए 1 महीने का है समय'

बिहार एसआईआर पर बोला चुनाव आयोग

एजेंसी

बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत 99.8 फीसदी मतदाताओं को कवर किया जा चुका है. चुनाव आयोग ने रविवार (27 जुलाई 2025) को बताया कि पहले चरण के समापन के बाद 7.24 करोड़ (91.69 फीसदी) मतदाताओं से गणना फार्म प्राप्त हो गए हैं. आयोग ने बताया कि 36 लाख लोग या तो अपने पिछले पते से स्थायी रूप से पलायन कर चुके हैं या फिर उनका कोई पता ही नहीं है.

22 लाख मतदाता मृत पाए गए

चुनाव आयोग के मुताबिक लगभग 7 लाख ऐसे मतदाताओं की पहचान हुई है, जो एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत हैं. लगभग 1.2 लाख मतदाताओं के एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना प्रपत्र) अब तक प्राप्त नहीं हुए हैं. करीब 22 लाख मृत मतदाताओं की सूचना प्राप्त हुई. मुख्य तौर पर जानकारी सामने कि करीब 65 लाख मतदाताओं के नाम काटेंगे और करीब 7 करोड़ 24 लाख मतदाताओं ने अपना फॉर्म भरा जिनके नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में आएंगे.

'आपत्ति दर्ज करने के लिए 1 महीने का है समय'

चुनाव आयोग ने कहा, ₹जब किसी भी नाम को गलत तरीके से शामिल या गलत तरीके से बाहर करने के लिए 1 अगस्त से 1 सितंबर तक का पूरा एक महीना उपलब्ध है तो वो अभी से इतना हंगामा क्यों मचा रहे हैं? उन्होंने (राजनीति दल) अपने 1.6 लाख बीएलए को 1 अगस्त से 1 सितंबर तक दावे और आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए क्यों नहीं कहा?

ड्राफ्ट सूची अंतिम सूची नहीं- चुनाव आयोग

चुनाव आयोग ने कहा, कुछ लोग यह धारणा क्यों बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि ड्राफ्ट सूची ही अंतिम सूची है, जबकि ऐसा नहीं है, जैसा कि एसआईआर के आदेशों में है? वैसे लोग जा अपने पते पर नहीं मिले उसे लेकर चुनाव आयोग ने कहा, ₹ये लोग या तो दूसरे राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता बन गए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर से लेकर अंतरिक्ष मिशन तक, बच्चों को मिलेगी भारत की 'असली ताकत' की शिक्षा!

एनसीईआरटी ला रहा सैन्य-अंतरिक्ष गौरवगाथा के नए अध्याय

'ऑपरेशन सिंदूर' से लेकर अंतरिक्ष मिशन तक, एनसीईआरटी स्कूली किताबों में 'नया भारत' ला रहा है। नए अध्यायों में भारत की सैन्य शक्ति, चंद्रयान और आदित्य एल1 जैसे बड़े अंतरिक्ष मिशन, और पर्यावरण संरक्षण के लिए 'मिशन लाइफ' को शामिल किया जाएगा, जिससे छात्र देश की प्रगति और चुनौतियों से अवगत हो सकें।

एजेंसी

अब स्कूली बच्चे भारत की सैन्य शक्ति, अंतरिक्ष में उसकी बढ़ती ताकत और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों के बारे में अपनी किताबों में पढ़ पाएंगे। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद जल्द ही अपने पाठ्यक्रम में 'ऑपरेशन सिंदूर', 'मिशन लाइफ' और भारत के बड़े अंतरिक्ष मिशन जैसे चंद्रयान, आदित्य एल1 के साथ-साथ भारतीय वायुसेना के पायलट शुभांशु शुक्ला के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन मिशन को शामिल करेगा।

24 घंटे में सम्राट चौधरी को गोली मार दूंगा..

बिहार के डिप्टी सीएम को धमकी भरे कॉल के बाद पुलिस अलर्ट

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को अज्ञात व्यक्ति ने जान से मारने की धमकी दी है. जिसके बाद उनकी सुरक्षा टीम अलर्ट हो गई है-

एजेंसी

पटनाः बिहार में एक बार फिर एक वरिष्ठ नेता को जान से मारने की धमकी मिलने की खबर सामने आई है. इस बार निशाने पर राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हैं. उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन कॉल और मैसेज के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई थी. धमकी मिलने के बाद त्वरित कार्रवाई : जानकारी के अनुसार, सम्राट चौधरी के कार्यकर्ता को धमकी भरा कॉल आया. जिसमें कहा गया कि "सम्राट चौधरी को 24 घंटे के अंदर गोली मार दूंगा, सच कह रहा हूं." उनकी सुरक्षा टीम ने तुरंत मामले को गंभीरता से लिया और इसकी सूचना पटना पुलिस को दी. इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मोबाइल नंबर 6367263657 की प्राथमिक जांच शुरू की.टूकॉलर पर दिखा नाम 'विक्रम यादव' : प्रारंभिक जांच में टूकॉलर ऐप पर इस नंबर को विक्रम यादव के नाम से रजिस्टर पाया गया.

धमकी दी गई है. बता दें कि इससे पहले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा को

राजद से निष्कासित तेज प्रताप यादव का बड़ा ऐलान

निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

राजद से निष्कासित हुए तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव में वैशाली की महुआ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ने की घोषणा की है। लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप ने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि वे चुनाव के बाद मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, जिससे बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

एजेंसी

बिहार की राजनीति में एक नया मोड आ गया है। राष्ट्रीय जनता दल से हाल ही में निष्कासित हुए पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने घोषणा की है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में वैशाली जिले की महुआ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लडेंगे। तेज प्रताप यादव वर्तमान में समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से विधायक हैं। शनिवार शाम को अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए, तेज प्रताप ने अपने इरादे साफ कर दिए। उन्होंने कहा, 'हां, इस बार मैं महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लडूंगा। मेरे विरोधियों को जरूर खुजली होने लगी होगी।

धमकी

आवास के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी

एक्टर-राजनेता विजय के घर पर बम की धमकी

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकप्रिय अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय के चेन्नई स्थित नीलंकरई, ईस्ट कोस्ट रोड (ईसीआर) स्थित आवास पर आज सुबह मिली बम की धमकी एक अफवाह निकली। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। चेन्नई पुलिस नियंत्रण कक्ष को सुबह लगभग 5:20 बजे एक कॉल आया, जिसमें दावा किया गया था कि अभिनेता-राजनेता के घर पर बम रखा गया है। धमकी मिलते ही, तीन बम निरोधक दस्ते के विशेषज्ञों और एक खोजी कुत्ते को तुरंत विजय के आवास पर भेजा गया। लगभग एक घंटे की गहन तलाशी के बाद, बम निरोधक दस्ते ने पुष्टि की कि परिसर में कोई विस्फोटक नहीं मिला।

अधिकारियों ने इस धमकी को एक अफवाह बताया और अपनी जांच पूरी करने के बाद परिसर से चले गए। नीलंकरई पुलिस स्टेशन ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस को धमकी मिलने के बाद तीन बम डिटेक्शन और डिस्पोजल स्क्वाड और एक स्निफर डॉग यूनिट को तुरंत विजय के घर पर भेजा गया और जांच शुरू की गई। लगभग एक घंटे की जांच के बाद बम डिटेक्शन और डिस्पोजल स्क्वाड की टीम ने पुष्टि की अभिनेता के घर में कोई बम नहीं है। अधिकारियों ने इसे एक अफवाह बताया और जांच पूरी करने के बाद वापस चले गए। इसके अलावा नीलांकरई पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि जब पुलिस को ये फोन आया उस वक्त अभिनेता विजय घर पर नहीं थे। हालांकि, एक्टर की फैमिली और उनके घर का स्टॉफ घर में ही थे। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर मामले को संभाल लिया और जांच की। पुलिस ने आगे बताया, ह्यधमकी मिलते ही, तीन बम निरोधक दस्ते और एक खोजी कुत्ते को तुरंत विजय के आवास पर भेजा गया. लगभग एक घंटे की जांच के बाद, बम निरोधक दस्ते ने पुष्टि की कि घटनास्थल पर कोई विस्फोटक नहीं मिला. अधिकारियों ने इसे एक अफवाह बताया और जांच पूरी करने के बाद परिसर से चले गए. नीलंकरई पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है.

अभिनेता विजय के चेन्नई स्थित आवास पर मिली बम की धमकी आज सुबह खूब सुर्खियां बटोरीं, लेकिन पुलिस की त्वरित जांच में यह सिर्फ एक अफवाह निकली। बम निरोधक दस्ते ने गहन तलाशी के बाद पुष्टि की कि परिसर में कोई विस्फोटक नहीं मिला, जिससे प्रशंसकों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

बिहार में अपराध पर घमासान, चिराग पासवान पर बिफरे तेजस्वी यादव

एजेंसी

नयी दिल्ली। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राज्य में बढ़ते अपराधों के कारण नीतीश सरकार लगातार विपक्ष के निशाने पर है। सिर्फ.विपक्ष ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी दल लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के नेता चिराग पासवान भी नीतीश सरकार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। हाल ही में, होमगार्ड परीक्षा के लिए आई एक महिला के साथ हुए गैंगरेप की घटना को लेकर चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला था। अब, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने चिराग पासवान को आड़े हाथों लिया है।

बिहार में बढ़ते अपराधों और लचर कानून-व्यवस्था पर चिराग पासवान की टिप्पणी के बाद राजद नेता तेजस्वी यादव ने उन पर तीखा हमला बोला। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि चिराग नीतीश सरकार में शामिल होकर भी अपराध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सिर्फ अफसोस जता रहे हैं, न कि कोई कार्रवाई कर रहे हैं, जिससे उनकी कुर्सी का मोह उजागर होता है।

चिराग पासवान के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, 'हम लगातार कहते रहे हैं कि बिहार में कानून-व्यवस्था आपराधिक अराजकता में बदल गई है। अपराधी 'विजय' और 'सम्राट' बन गए हैं। चिराग पासवान इस पर सिर्फ.अफसोस जता रहे हैं, यानी वो मानते हैं कि वो सरकार का हिस्सा हैं, लेकिन अफसोस जताने के अलावा वो कुछ नहीं कर सकते। इससे पता चलता है कि वो एक कमजोर मंत्री हैं, एक कमजोर सहयोगी हैं।

सम्पादकीय

खुद को क्षति पहुंचाती कांग्रेस, खतरे में बची-खुची राजनीतिक जमीन

विपक्ष को चुनाव आयोग के इस सवाल का भी जवाब देना चाहिए कि आखिर अनुचित तरीके से वोटर बने और बनाए गए लोगों को मतदान का अधिकार कैसे दिया जा सकता है ? चुनाव आयोग ने यह पाया है कि बिहार में 60 लाख से अधिक लोग ऐसे हैं जो इस राज्य में वोट डालने के अधिकारी नहीं हैं।क्या चुनाव आयोग ऐसे लोगों की अनदेखी कर दे संसद के मानसून सत्र का पहला सप्ताह बीत गया और इस पूरे सप्ताह दोनों सदनों में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के चुनाव आयोग के फैसले पर विपक्ष हंगामा करता रहा। उसने यह हंगामा संसद के बाहर भी किया।राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर खास तौर पर निशाना साधा। पिछले दिनों उन्होंने यह भी कह दिया कि कर्नाटक के एक चुनाव क्षेत्र में धांधली हुई थी। उन्होंने चुनाव आयोग को एक तरह से धमकी दे डाली, जो कि संवैधानिक संस्था है। चूंकि राहुल गांधी कांग्रेस के सबसे प्रभावशाली नेता हैं, इसलिए पार्टी के अन्य नेता भी उनकी बात आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं। लगता है विपक्ष ने ठान लिया है कि वह मतदाता सूची के सत्यापन के चुनाव आयोग के फैसले पर हंगामा करता ही रहेगा। यह हंगामा सुप्रीम कोर्ट की ओर से बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन के फैसले को सही ठहराने के बाद भी किया जा रहा है। शायद सत्तापक्ष ने भी मान लिया है कि विपक्ष इस मुद्दे के साथ ही अन्य कुछ मुद्दों पर हंगामा करता रहेगा। हो सकता है वह इस हंगामे के बीच ही कुछ विधेयक पास कराने की कोशिश करे। संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए विभिन्न मुद्दों पर संसद के भीतर-बाहर हंगामा करना विपक्ष की आदत बन गई है। पिछले 8-10 वर्षों से ऐसी आदत का परिचय कुछ ज्यादा ही दिया जा रहा है बिहार में इसी वर्ष के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके पहले चुनाव आयोग ने इस राज्य में मतदाता सूची का सत्यापन कराना जरूरी समझा। उसकी यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। अब तो उसने यह भी कह दिया है कि वह सारे देश में मतदाता सूचियों का सत्यापन करेगा, क्योंकि यह किसी भी चुनाव में आवश्यक होता है कि वैध मतदाता ही वोट देने का अधिकार रखें। यह सही बात है। आखिर इसका क्या मतलब कि जो लोग वैध मतदाता नहीं हैं अथवा स्थायी रूप से अन्य कहीं बस गए हैं या फिर बाहरी देशों के लोग और यहां तक कि घुसपैठिए हैं, वे भी चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा ले सकें ? विपक्ष को चुनाव आयोग के इस सवाल का भी जवाब देना चाहिए कि आखिर अनुचित तरीके से वोटर बने और बनाए गए लोगों को मतदान का अधिकार कैसे दिया जा सकता है ? चुनाव आयोग ने यह पाया है कि बिहार में 60 लाख से अधिक लोग ऐसे हैं, जो इस राज्य में वोट डालने के अधिकारी नहीं हैं।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशि: करियर: काम में सफलता मिलेगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा. पढ़ाई और काम दोनों में फोकस रखना फायदेमंद होगा. बिजनेस: दोस्त की मदद से पैसे कमाने के नए अवसर मिल सकते हैं. धन: आय में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी. शिक्षा: पढ़ाई में ध्यान देने की जरूरत है. स्कूल या कॉलेज का काम समय पर करें. लव/पारिवारिक: माँ का स्वास्थ्य बेहतर होगा और पारिवारिक सहयोग मिलेगा.

वृषभ राशि : करियर: इंटरव्यू या प्रोफेशनल कार्यों में सफलता की संभावना है. बिजनेस: पुराने प्रोजेक्ट्स या काम से लाभ होगा. धन: खर्चों में वृद्धि हो सकती है. पैसों का सही उपयोग करें. शिक्षा: पढ़ाई में कुछ रुकावटें आ सकती हैं, लेकिन आप मेहनत से आगे बढ़ेंगे. लव /पारिवारिक: परिवार में चल रही समस्याएं धीरे-धीरे सुलझेंगी. उपाय: माता लक्ष्मी को कमल का फूल चढ़ाएं.

मिथुन राशि: करियर: गुस्से पर काबू रखें, वरना कार्यस्थल पर समस्याएं हो सकती हैं. बिजनेस: मित्र की मदद से बिजनेस में अतिरिक्त आय होगी. धन: खर्चे बढ़ेंगे लेकिन आर्थिक स्थिति संभल जाएगी. शिक्षा: पढ़ाई में रुकावटें आएंगी. ध्यान केंद्रित करना जरूरी है. लव/पारिवारिक: परिवार में तालमेल बनाए रखें. उपाय: गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं.

कर्क राशि: करियर: नौकरी में बदलाव या नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं. बिजनेस: व्यापार में अधिक मेहनत करनी होगी. धन: खर्चों में वृद्धि होगी, पर लाभ भी मिलेगा. शिक्षा: शिक्षा में सफलता के योग हैं.

सिंह राशि: करियर: कार्यक्षेत्र में चुनौतियां रहेंगी, लेकिन सफलता भी मिलेगी. बिजनेस: मित्रों का सहयोग मिलेगा. धन: आय में वृद्धि होगी. शिक्षा: शैक्षिक प्रयासों में सफलता के योग हैं. लव/पारिवारिक: जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. उपाय: सूर्य को जल अर्पित करें.

कन्या राशि: करियर: अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. नौकरी बदलने की संभावना है. बिजनेस: निवेश से लाभ हो सकता है. धन: आय के नए स्रोत मिलेंगे. शिक्षा: पढ़ाई में प्रगति होगी. लव/पारिवारिक: भाईयों से मतभेद की स्थिति बन सकती है. उपाय: माता दुर्गा को लाल चुनरी चढ़ाएं.

तुला राशि: करियर: कार्यक्षेत्र में मेहनत से सफलता मिलेगी. बिजनेस: मित्र के सहयोग से बिजनेस में बदलाव संभव. धन: धन लाभ के योग हैं. शिक्षा: पढ़ाई में अच्छे परिणाम आएंगे. लव/पारिवारिक: पारिवारिक छुट्टियों का आनंद ले सकते हैं. उपाय: माता लक्ष्मी को खीर का भोग लगाएं.

वृश्चिक राशि : करियर: नौकरी में उन्नति के योग हैं. बिजनेस: किसी मित्र की मदद से व्यावसायिक अवसर बढ़ेंगे. धन: लाभ के अवसर मिलेंगे. शिक्षा: पढ़ाई में बेहतर परिणाम आएंगे. लव/पारिवारिक: रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी.उपाय: शिवजी को बेलपत्र चढ़ाएं.

धनु राशि : करियर: कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा. बिजनेस: खर्चों की अधिकता रहेगी. धन: धन की स्थिति में सुधार होगा.शिक्षा: पढ़ाई में कठिनाइयां आएंगी. लव/पारिवारिक: जीवनसाथी के साथ अनबन हो सकती है. उपाय: विष्णु भगवान को तुलसी अर्पित करें.

मकर राशि : करियर: धार्मिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे. बिजनेस: धन लाभ के अवसर हैं. धन: आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. शिक्षा: छात्रों को अच्छे परिणाम मिलेंगे. लव/पारिवारिक: परिवार के साथ धार्मिक स्थल पर जाने का योग है.

कुंभ राशि : करियर: कार्यक्षेत्र में कठिन परिस्थितियां रहेंगी. बिजनेस: व्यापार में कठिनाइयां आएंगी.धन: खर्चों की अधिकता रहेगी.

मीन राशि: करियर: शैक्षिक कार्यों में अच्छे परिणाम मिलेंगे. बिजनेस: संपत्ति से धन कमाने का अवसर मिलेगा. धन: लाभ के नए अवसर मिलेंगे. शिक्षा: पढ़ाई में सफलता मिलेगी. लव/पारिवारिक: बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

5 हजार सरकारी स्कूल बंद करके, विश्व गुरु बनेगा भारत?

संयुक्त राष्ट्र द्वारा कोविड-19 के बाद की शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए वैश्विक शिक्षा से संबंधित एक विशेष बैठक आयोजित करने के बाद जारी एक बयान के अनुसार, कोविड महामारी ने पिछले 20 वर्षों में पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों को मिटा दिया है।

पा उत्तर प्रदेश में 5000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया कि सरकार के इस कदम से राज्य में तीन लाख पचास हजार से ज्यादा छात्रों को निजी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली एक कुशल कार्यबल, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है। चूँकि इस देश में प्राथमिक शिक्षा को राजनीतिक एजेंडे में कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती, इसलिए दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला यह देश अभी भी निरक्षरता और खराब शिक्षा से जूझ रहा है। हाल ही में प्रकाशित आठवीं इंडिया स्किल रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे देश में, जहाँ धर्म और धार्मिक पहचान जनता और सरकार दोनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, 50 प्रतिशत से ज्यादा स्नातकों का रोजगार के योग्य न होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। इस साल फरवरी में केंद्र सरकार ने बताया था कि पिछले 10 साल में यूनेस्को में 89 हजार सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं। इनमें से अधिकांश 25 हजार स्कूल अकेले उत्तर प्रदेश से थे। 5 हजार स्कूल और बंद हमारे दिल पर मोर लोड ना आए इसलिए योगी सरकार ने स्कूल बंद करने की इस स्कॉच को नाम दिया है पेअरिंग स्कॉच। वर्ष 2015-16 में उत्तर प्रदेश में करीब 1 लाख 62 हजार प्राथमिक विद्यालय थे। जो साल 2021-22 में 1 लाख 40 हजार ही रह गए। यानी 2015-16 के मुकाबले में ये संख्या कम हो गई।

सरकार का तर्क है कि जिन स्कूलों में बच्चों की संख्या 50 से कम है, उन्हें बंद कर देना ही बेहतर है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर ये स्कॉटिश बच्चे क्यों नहीं हैं? क्या बच्चों की संख्या आपके-आप कम हो गई, या इसके पीछे सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं? ईटीवी-भारत न्यूज वेबसाइट के अनुसार यू-डीआईएसई पोर्टल के आधार पर जो आंकड़े सामने आए हैं, वो देखने वाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में करीब 30,000 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं, जो जर्जर स्थिति में हैं। जहां 742 स्कूल पूरी तरह से खराब खंडहर हैं। इसके बाद 690-690 में जंगल और जंगल में 674, गरीब में 643, 641 में गरीब में और 633 में बलिया में कब्जा की स्थिति बेहद खस्ता है। इन स्कूलों में बच्चों के लिए न तो अधूरा निर्माण है, न शौचालय, न पीने का पानी और न ही चारदीवारी। कभी मिड-डे मील का सामान नहीं आता, तो कभी छत टपकती है। स्थानीय बिजली नहीं। कभी-कभी स्कूल में ही जूते डूब जाते हैं। तो ऐसे रसोई में किसी ने भी अपने बच्चों को क्यों भेजेगा? जब स्कूल में टीचर ही नहीं होंगे तो पढ़ाई कैसे होगी? जिन शिक्षकों में शिक्षक तैनात हैं, वहां उनकी ड्यूटी चुनाव, सर्वेक्षण, योजना या धार्मिक आयोजनों में लगाई जाती है। स्कूल सिर्फ रिकॉर्ड में है। क्लासरूम बंद होता है, परिसर सूना रहता है। फिर जब बच्चों की पढ़ाई नहीं होती, तो परिवार वाले अपने बच्चों को या तो प्राइवेट स्कूलों में दाल देते हैं या फिर पढ़ाई ही छुड़वा देते हैं। यानी धीरे-धीरे सरकारी स्कूल के बच्चे आना ही बंद कर देते हैं। फिर एक दिन शासन की रिपोर्ट आती है छात्र संख्या कम है, स्कूल बंद कर दिया जाएगा। बाकी जो स्कूल चल रहे हैं उनमें भी बार-बार सुरक्षा के नाम पर छुट्टियाँ घोषित कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा अब बस एक धार्मिक परंपरा नहीं रही, ये एक सरकारी आयोजन संस्था बन चुकी है। हर साल जैसे ही सावन आता है, प्रदेश का पूरा सरकारी तंत्र एक ही दिशा में दौड़ता है- तीर्थयात्रियों की सेवा। स्वास्थ्य विभाग से लेकर जिला प्रशासन तक, स्वास्थ्य विभाग से लेकर नगर निगम तक, हर विभाग को आदेश दिया जाता है कि कांवड़ियों की सुविधा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। जगह-जगह कैंप, मेडिकल कैंप, मोबाइल स्टेडियम, मिस्ट फैन, नमक-पानी तक डाला जाता है। और ये सब फंडिंग आती है सरकारी खजाने से। संयुक्त राष्ट्र द्वारा कोविड-19 के बाद की शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए वैश्विक शिक्षा से संबंधित एक विशेष बैठक आयोजित करने के बाद जारी एक बयान के अनुसार, कोविड महामारी ने पिछले 20 वर्षों में पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों को मिटा दिया है। दुनिया भर में 10 करोड़ से अधिक अतिरिक्त बच्चे पढ़ने-लिखने के न्यूनतम स्तर से वंचित हो गए हैं। रिपोर्ट इस तथ्य को भी सामने लाती है कि इस वैश्विक स्थिति की पृष्ठभूमि में, यह समझना मुश्किल नहीं है कि कोविड के समय में भारत में कितने कम छात्र इंटरनेट के माध्यम से पढ़ाई कर पाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, देश के ग्रामीण इलाकों में केवल 18 प्रतिशत के पास इंटरनेट की सुविधा थी, लेकिन उनमें से कितने वास्तव में इसका उपयोग कर पाए, यह भी संदिग्ध है क्योंकि डेटा पैक खरीदने के लिए पैसे, मोबाइल चार्ज करने के लिए बिजली आदि जैसे कई सवाल इससे जुड़े हैं। रिपोर्ट बताती है कि 42 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट की सुविधा है, लेकिन शहरी गरीब बस्तियों में रहने वाले कितने छात्र इसका लाभ उठा पाए, यह भी एक सवाल है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निजी स्कूलों में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 62 प्रतिशत से ज्यादा शिक्षक पूरी तरह योग्य नहीं हैं। ऐसे में, अगर शिक्षक अपनी पूरी क्षमता से काम करने की कोशिश भी करें, तो वे इसमें कितने सफल होंगे, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। रिपोर्ट में अंत में दस सुझाव भी दिए गए हैं जिनके जरिए देश में सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है। इनमें सबसे अहम है पूर्वोत्तर और ग्रामीण इलाकों के स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ाना और उनके उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था करना कुल मिलाकर, स्कूलों में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की व्यवस्था करना, सरकारी क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा स्कूल खोलना ताकि गरीब और ग्रामीण बच्चे फीस आदि के कारण शिक्षा से वंचित न रहें और शिक्षक-छात्र अनुपात को कम करना यानी शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों की संख्या बढ़ाना, सतत विकास लक्ष्य 2030 को प्राप्त करने की दिशा में कुछ अहम कदम हो सकते हैं। हालाँकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारे देश की सरकार यह सब करने के लिए तैयार है। दरअसल, सभी संकेत यही बताते हैं कि सत्ताधारियों के बीच सभी स्तरों पर सार्वजनिक शिक्षा को कमजोर करने की एक सोची-समझी योजना चल रही है। हमें एक संगठन के रूप में इसे रोकने के लिए कमर कसनी होगी।

श्रम का श्रृंगार,संयम के मोती मनोबल के साथी

संजीव ठाकुर

ऋषि मुनियों ने कहा है श्रम से ही जीवन सार्थक होता है श्रम मनोबल संयम और तब जीवन के तत्व गुण हैं और इन्हीं से मनुष्य को मनुष्य होने का गौरव प्राप्त होता है। सफलता रातों रात नहीं मिलती,जो सफलता भाग्य से मिलती है वह जल्द खत्म भी हो सकती है इसिलए निरंतर मेहनत,श्रम करने आदत होनी चाहिए,साथ में यदि उच्च मनोबल हो तो सोने पे सोहागा होती है,और इससे प्राप्त सफलता स्थाई और चिरंतर होती है,जीवन में अच्छे लक्ष्य को लेकर की गई मेहनत सार्थक होती है और कभी व्यर्थ जाया नहीं होती है

वर्तमान के आपाधापी एवं कठिन जीवन शैली में हर व्यक्ति चाहता है कि उसे प्राथमिकता मिले और उसके सब कार्य तत्काल पूर्ण हो जाऐ भारत की जनसंख्या के हिसाब से हर स्थान, हर जगह जबरदस्त प्रतियोगिता का वातावरण निर्मित हो चुका है एक काम के लिए हजारों लोग लाइन में लगे हुए हैं, मूलत किसी पद को पाने के लिए इतनी ज्यादा प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा है कि साधारण कद काठी एवं सामान्य व्यक्तित्व का व्यक्ति भीड़ में कहीं खो जाता है अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने से वंचित रह जाता है असफलता के कारण मानसिक दबाव जिंदगी भर रहने लगता है, ऐसे व्यक्तित्व विकास मनुष्य के जीवन में एक कड़ी और चुनौतीपूर्ण जीवन रेखा है एसे में व्यक्ति को शानदार व्यक्तित्व बनाने के लिए बड़ी मेहनत एवं कठिन तपस्या की आवश्यकता होती है तभी वह इस प्रतिस्पर्धात्मक जीवन शैली में अपने आप को सही और सटीक स्थापित कर पाता है

व्यक्तित्व विकास के साथ मनुष्य अपना जीवन दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से गुजार पाता है, ऐसे में लोगों एवं आप के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के मन में आपके प्रति सकारात्मक एवं अच्छे विचार आते हैं आपका प्रभाव भी लोगों पर आपकी कार्यप्रणाली पर अच्छा होने लगता है अच्छे व्यक्तित्व का मालिक अपने प्रतिदिन के काम में सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा तथा शक्ति प्रदान कर पाता है और धीरे-धीरे वह लोगों से अलग दिखाई देने लगता है, आमजन उससे जुड़ना चाहते है, और आपकी तरह बनने के सपने देखने लगते हैं वर्तमान समय में शायद ऐसा ही कोई व्यक्ति होगा जो शानदार व्यक्तित्व का धनी एवं मालिक ना बनना चाहता होगो यदि आपकी पर्सनैलिटी याने व्यक्तित्व साधारण एवं निम्न स्तर का है, तो आपको अपने व्यक्तित्व को निखारना ही होगा, तब जाकर आप किसी अच्छे पद,व्यवसाय किसी महान लक्ष्य को संचालित कर सकते हैं ऐसे में आप यदि नकारात्मक सोच के व्यक्ति हैं तो आपको अपने व्यक्तित्व निर्माण में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता हैं, नकारात्मक सोच के व्यक्ति को हमेशा कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, और उसे इन्हीं परेशानियों का निदान भी सूझता नहीं है,पर जिनका का सकारात्मक रवैया होता है,उन्हें हर कठिनाई, परेशानी में निदान के उपाय एवं तरीके अपने सूझ बुझ से निकालने का फामूर्ला मालूम होता है, ऐसे व्यक्तियों का काम कभी रुकता नहीं और वे निर्बाध गति से आगे बढ़ते जाते हैं यह सर्वविदित सत्य है की आपका संव्यवहार आपके व्यक्तित्व का दर्पण होता है हर कार्य के संचालन संपादन में आपके व्यक्तित्व की परछाई स्पष्ट परिलक्षित होती है, आपका व्यवहार आपके चरित्र तथा स्वभाव के बारे में सब कुछ बता देता है, और उसका इसका बड़ा व्यापक प्रभाव भी दृष्टिगोचर होता है, व्यक्तित्व विकास न सिर्फ आपकी निजी जिंदगी में प्रभाव डालता है वरन आपकी व्यवसाय और लक्ष्य में भी सकारात्मक एवं प्रभावकारी होता है जब आप एक अच्छे व्यक्तित्व और सकारात्मक विचार वान व्यक्ति होते हैं तो आप काफी उत्साही एवं आत्मविश्वास से भरपूर भी हो सकते हैं, और आत्मविश्वास से परिपूर्ण व्यक्ति जिंदगी में हर मुश्किल को पार कर एक सफल व्यक्तित्व का धनी हो जाता है उसे हर जगह सफलता ही सफलता प्राप्त होती है सफल व्यक्तित्व बनाने के लिए आप अपने व्यवहार को अत्यंत नम्र, शालीन और आत्मविश्वास से भरा ही रखें, किसी भी व्यक्ति से चाहे छोटा हो बड़ा हो अमीर हो गरीब हो मिलते समय उसका यथा योग्य अभिवादन शिष्टाचार पूर्वक अवश्य करें इससे आपकी पहुंच एवं प्रभाव का दायरा विस्तृत होने लगेगा, सफलता ही सफलता से आप आगे बढ़ने लगेंगे, किसी भी व्यक्ति से अशिष्टतापूर्वक व्यवहार न करें ,आपको यदि यह महसूस होता है कि सामने वाला कुछ गलती पर है या गलत कार्य कर रहा है तो उस पर नाराज ही जाए ना कर उसे बड़े ठंडे दिमाग से समझाई दीजिए, इससे आपका प्रभाव गलत ना होकर शानदार होने लगेगो प्रभावशाली व्यक्तित्व के निर्माण में समय की प्रतिबद्धता एवं समय पर कार्य करने की अदम्य लालसा का बड़ा महत्व है यदि आप सही समय पर सही कार्य करेंगे एवं अपने संपूर्ण कार्य समय पर प्रतिपादित करने की आदत डालेंगे, तो कार्यों की सफलता की एक तरह से संपूर्णता दिखाई देने लगती है यदि कहीं मीटिंग या किसी व्यक्ति को अपने समय दिया है तो आप वहां समय पर ही पहुंच कर मीटिंग का संपादन करें, आज के युग में किसी को किसी का इंतजार करना पसंद नहीं आता है ऐसे में काम की सफलता की गुंजाइश कम हो जाती है और किसी को किसी भी कार्य के लिए इंतजार करवाना अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण के प्रतिकूल प्रभाव डालता है, यदि आप नौकरी में हैं,व्यवसाय में हैं या जन प्रतिनिधि हैं, तो लोगों की बातें सुनने का आप में पर्याप्त संयम भी होना चाहिए, यदि आप किसी व्यक्ति की बातें धैर्य पूर्वक सुनते हैं तो उसे आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली लगता है एवं कार्य की सफलता में संदेह नहीं रह जातो अनावश्यक किसी भी व्यक्ति से बिना उसकी बात सुने समझे बहस करने की थोड़ी भी गुंजाइश ना रखें, अन्यथा कार्य विपरीत स्वरूप भी ले सकता है सामने वाला व्यक्ति यदि सचमुच गलत है तो ही अपनी बात आप रखें या बोले, इसमें महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि आप अपनी शक्ति एवं दुर्बलताओं को अच्छे से पहचाने और जाने आपको जब अपनी शक्ति और क्षमता का पता होगा तो आप उस कार्य को अच्छे से कर पाएंगे एवं इससे आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी, और अपनी कमजोरियों को सफलता के पीछे सुधार करने में सफल भी होंगे आप प्रयास करें कि हमेशा मुस्कुराहट आपके चेहरे पर हो एवं आपका चेहरा चिड़चिड़ा या परेशान ना दिखाई दे, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा का एक बड़ा प्रतीक है यह सफलता में कठिनाई पैदा करने वाला कारक माना जाता है मुस्कुराते हुए चेहरे से लोग प्रसन्न होकर उसकी बात सुनना चाहेंगे और यही एक ऐसा तत्व है जो आपके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देगा और आपकी सफलता में कोई गुंजाइश नहीं रह जाएगी मुस्कुराते हुए चेहरे के आचरण को लोग ज्यादा पसंद करते हैं अपना मित्र भी बनाना चाहेंगे, आप जो भी कार्य करते हैं पढ़ते हैं नौकरी करते हैं, व्यवसाय या समाज सेवा करते हैं

दृष्टिकोण - : मतदाता पुनरीक्षण पर राजनीति के निहितार्थ

(डॉ. सुधाकर आशावादी)

किसी भी राष्ट्र की समृद्धि सभी नागरिकों की राष्ट्र के प्रति समर्पित भावना से ही संभव है तथा स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जितनी उपयोगिता सत्ता पक्ष की है, उससे अधिक उपयोगिता सकारात्मक विपक्ष की है, जो पग पग पर सत्ता को जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध घेरता रहे, बिना किसी तार्किक आधार के मात्र विरोध के नाम पर विरोध की राजनीति न करे। विडम्बना है कि भारत में विपक्ष केवल नकारात्मक दिशा में गतिशील है। विपक्ष को भारत की एकता व अखंडता से जुड़े मुद्दों से कोई सरोकार नहीं रह गया है। यदि उसे देश की संवैधानिक संस्थाओं पर तनिक सा भी विश्वास होता, तो वह संकीर्ण चिंतन एवं मात्र राजनीतिक कारणों से जनहितकारी नीतियों का विरोध न करता और न ही लोकतंत्र के प्रमुख घटक मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के विरुद्ध अनर्गल और अतार्किक बयानबाजी करता। विधान सभाओं से लेकर संसद तक मतदाता सूची के परीक्षण पर बवाल मचाता। विपक्ष के सम्मुख एक बड़ी चुनौती अपना अस्तित्व बचाने की है। अनेक चुनाव परिणामों से स्पष्ट हो चुका है, कि देश की अधिकांश जनता विपक्ष को नकार चुकी है। विपक्ष इसे अपनी नैतिक हार न मान कर भी बेशर्मी से अपनी हार का ठीकरा कभी ईवीएम के मत्थे मढ़ता है, कभी चुनाव आयोग पर। ऐसा करते समय विपक्ष भूल जाता है कि वही चुनाव आयोग और वही ईवीएम उन राज्यों में भी कार्य कर रहा है, जहां विपक्ष से जुड़े राजनीतिक दलों का सत्ता पर कब्जा है। मतदाता पुनरीक्षण पर कांग्रेस, राजद, सपा, तृणमूल कांग्रेस सहित जो जो दल सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्हें देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने करारा जवाब दिया है तथा उनसे पूछा है कि पारदर्शी प्रक्रिया से तैयार की जा रही मतदाता सूची क्या मजबूत चुनाव और मजबूत लोकतंत्र की नींव नही है ? क्या जिन लोगों की मौत हो चुकी है, उन्हें वोट डालने दिया जाए ? क्या अपात्र लोगों को मताधिकार मिलना चाहिए ? कड़वा सच यही है, कि जब जब लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए जाते हैं, तब तब अराजक तत्व और उनके समर्थक राजनीतिक दल सुधारों का विरोध करने के लिए सड़क से लेकर संसद तक विरोध पर उतर आते हैं तथा व्यवस्था के सकारात्मक सुधार को स्वीकार नहीं कर पाते । कौन नहीं जानता कि अव्यवस्था का समर्थन वही करते हैं, जिन्हें प्रचलित अव्यवस्था से कोई लाभ प्राप्त हो रहा हो। विचारणीय प्रश्न यह भी है, कि क्या एक नागरिक को एक से अधिक मताधिकार प्रयोग करने का अधिकार मिलना चाहिए। जिन नागरिकों ने अपने स्थाई निवास और अपने कार्यस्थल पर अलग अलग मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा रखा हो, क्या उन्हें इस जालसाजी की सजा नहीं मिलनी चाहिए ? क्या किसी भी मतदाता को दो स्थानों पर मतदान की आजादी मिलनी चाहिए ? क्या मतदाता सूची में पारदर्शिता नहीं होनी चाहिए ? गंभीर चिंतन का विषय यही है कि मतदाता सूचियों में गड़बड़ का आरोप लगाने वाले ही यदि मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर सवाल उठाएँगे, तो सवाल उठने वालों की नीयत पर भी सवाल खड़े होंगे। केवल एक ही प्रदेश की मतदाता सूची का प्रश्न नहीं है। सवाल पूरे देश में चुनाव सुधारों का है, जिसके लिए निष्पक्ष मतदाता सूची देश की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। जहां तक संभव हो, विभिन्न चुनावों के लिए पृथक पृथक मतदाता सूची जारी करने से अच्छा है कि राष्ट्रीय स्तर पर केवल एक मतदाता सूची बने। हर चुनाव से पहले उसकी वैधता व विश्वसनीयता का परीक्षण हो, ताकि किसी भी राजनीतिक दल को मतदाता सूची पर सियासत करके जनता को भ्रमित करने का अवसर ही न मिल सके।

उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर

सबसे अधिक खाद्य प्रसंस्करण के उद्योग उत्तर प्रदेश मे स्थापित हैं

- उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण नीति-2023 के तहत फलो एवं सब्जियों के प्रसंस्करण पर विशेष फोकस
- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति से अधिक से अधिक किसानो को किया जाय लाभान्वित

भारत संवाद

लखनऊ : उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्या द्वारा प्रधानमन्त्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम एफएमई) योजना एवं उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण नीति-2023 को अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं प्रदेश को एक ट्रिलियन इकोनामी प्राप्त करने में मददगार बताते हुए समस्त मुख्य विकास अधिकारियों को इस कार्यक्रम के प्रति बेहद सजगता बरतने एवं ध्यान दिए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। श्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को योजना भवन लखनऊ मे प्रदेश के मुख्य विकास अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक मे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति व प्रधानमन्त्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के बेहतर क्रियान्वयन पर विशेष रूप से जोर दिया गया। बताया गया कि प्रसंस्करण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश अग्रणी स्थान पर है, सबसे अधिक खाद्य प्रसंस्करण के उद्योग यहां स्थापित हैं।कोशिश है कि फलो व सब्जियों का अधिक से अधिक प्रसंस्करण किया जाय इससे किसान भाई सीधे लाभान्वित होंगे। अपर मुख्य सचिव, खाद्य एवं प्रसंस्करण, श्री बी०एल० मीणा द्वारा प्रस्तुतिकरण में अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश में लगभग 65000 खाद्य प्रसंस्करण इकाईया स्थापित हैं। 3.5 लाख इकाईया असंगठित क्षेत्र (एम०एस०एम०ई०) की है। 2800 इकाई लगभग रू 500 करोड़ टर्न-वोवर चाली है। पीएम एफएमई योजना के अन्तर्गत इस वर्ष स्वीकृत प्रस्ताव सर्वाधिक हैं।

जनसेवा के पथ पर दृढ़ता से आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है मन की बातं

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने अपने विधानसभा क्षेत्र में सुनी मन की बात

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने रविवार को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के मुट्ठीगंज मंडल के बूथ संख्या 36 गऊघाट में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं, व्यापारी भाइयों, समर्थकों एवं आमजन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना।मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रेरणादायक मार्गदर्शन सदैव नई ऊर्जा प्रदान करता है, जनसेवा के पथ पर दृढ़ता से आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण के कार्य में निरंतर जुटे रहने की प्रेरणा देता है।मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में स्टइंस्पायर मानक अभियानस का ज़िक्र किया—जिसके जरिए देशभर के स्कूलों से लाखों बच्चों के इनोवेटिव आइडिया सामने आ रहे हैं। मन की बात के जरिए प्रधानमंत्री ने जनभागीदारी, भारतीय संस्कृति, सेवा और आत्मनिर्भर भारत की भावना को नई दिशा व ऊर्जा दी।मन की बात' कार्यक्रम सभी को राष्ट्रहित में एकजुट होने, जनभागीदारी को मजबूत करने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रेरित करता है। मंत्री नन्दी ने कहा कि मन की बात केवल विचारों का संवाद नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं को समझने और जनभागीदारी को महसूस करने का एक प्रेरक माध्यम है। यह कार्यक्रम हर भारतीय को राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सहभागी बनने का आमंत्रण देता है। मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन जनकल्याण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, नवाचार तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करने वाले सामूहिक प्रयासों में नई ऊर्जा का संचार करने वाला रहा। यह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष परमानन्द वर्मा, महानगर उपाध्यक्ष अनिल कुमार केसरवानी झल्लर, पूर्व मंडल अध्यक्ष किशोरी लाल जायसवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष रणविजय सिंह, पार्षद ऋषि निषाद, प्रणविजय सिंह, सुधांशु त्रिपाठी महामंत्री मुट्ठीगंज मंडल, अभिषेक जायसवाल महामंत्री मुट्ठीगंजनमंडल, मंत्री मुट्ठीगंज मंडल रिंकू भारतीय, सेक्टर संयोजक विजय जायसवाल, बूथ अध्यक्ष अजय पटेल, वार्ड अध्यक्ष प्रदीप केसरवानी, मंडल मंत्री बृजेश भारतीय, मनोज गुप्ता, श्रीमती स्वाती गुप्ता एवं अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे।

फास्ट ट्रैक

प्रयागराज मंडल ने परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए संचालित की आरओ/एआरओ परीक्षा विशेष गाडियां

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी / सहायक समीक्षा अधिकारी प्रारंभिक परीक्षा -2023 में भाग लेने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रयागराज मंडल ने आरओ/एआरओ परीक्षा विशेष 2 गाडियां संचालित की, जिनका विवरण निम्नांकित है :

1.कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जंक्शन मेमू ने कानपुर सेंट्रल से 14:38 बजे प्रस्थान किया।इस गाडी को सिरसौल, औंग, बिंदकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू एवं भरवारी स्टेशन पर ठहराव दिया गया। इस गाडी में कानपुर से लगभग 2700 यात्रियों ने यात्रा की।

2.कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जंक्शन मेमू ने कानपुर सेंट्रल से 16:05 बजे प्रस्थान किया।इस गाडी को पुखरायां, कालपी, उरई, एट एवं मोठ स्टेशन पर ठहराव दिया गया। इस गाडी में कानपुर से लगभग 1200 यात्रियों ने यात्रा की।

संगम क्षेत्र में कांवड़ियो की कांवड़ यात्रा के मध्य प्रधानमंत्री को भारत रत्न देने की मांग-सरदार पतविंदर सिंह

विभिन्न राजनीतिक दलों को अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजना चाहिए

भारत संवाद

प्रयागराज/भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ संगम क्षेत्र पहुंचकर कांवड़ियो की सेवा-सत्कार करते हुए हाथों में विभिन्न सूक्ति वाक्य लिखो प्ले कार्ड लेकर कहा कि सभी राजनीतिक दलों को दलगत भावना से ऊपर उठकर पीएम मोदी को भारत रत्न देकर सम्मानित करना चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम सबसे लंबे समय तक शासन करने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया अपनी लोकप्रियता के बूते केंद्र में लगातार तीन बार सत्ता हासिल कर चुके मोदी, आजादी के बाद जन्म लेने वाले वे पहले प्रधानमंत्री हैं प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल के 4080 दिन पूरे कर लिए मोदी एकमात्र प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लगातार तीन आम चुनाव जीते, राज्य और केंद्र को मिलाकर 24 वर्ष तक सरकार का नेतृत्व कर चुके हैं जो एक रिकॉर्ड है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का सर्वश्रेष्ठ नागरिक सम्मान स्भारत रत्नस्देने का आग्रह सहित संसद परिसर में उनकी प्रतिमा और सेंट्रल हॉल में पोट्रेट लगाने की भी गुजारिश करते हैह्न भाजपाअल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने आगे कहा कि आजाद भारत के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने आजादी के समय से ही मौजूद कई गंभीर,जटिल समस्याओं का समाधान बहुत ही कुशलता पूर्वक राष्ट्रीय एकता.अखंडता बनाए रखते हुए समस्याओं का समाधान किया है अमित प्रजापति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की कई जटिल राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान कर,कई विवादित मुद्दों को सुलझाने में अत्यंत सराहनीय महत्वपूर्ण कार्य किया है ऐसी प्रतिभावान काबिलियत व्यक्तित्व को निःसंदेह प्रधानमंत्री को यह सम्मान जरूर देना चाहिए क्योंकि वह इस सम्मान के वास्तविक हकदार योग्य है कमल सिंह ने कहा कि देश के विभिन्न राजनीतिक दलों को स्वेच्छा से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्तित्व को स्भारत रत्नस्देने सहित संसद परिसर में उनकी प्रतिमा और पोट्रेट लगाने का प्रस्ताव विभिन्न राजनीतिक दलों को अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में पारित कर केंद्र सरकार को भेजना चाहिएह्न प्रमुख रूप से दलजीत कौर,हरमन जी सिंह,अजय, दीपक, संजय, अवनीशअभिषेक, अनुज,अमित,कमल सिंह सरदार पतविंदर सिंह आदि रहे।

मां कल्याणी योग समिति की महिलाओं द्वारा धूमधाम से मनाया गया,हरियाली तीज उत्सव

भारत संवाद

प्रयागराज, मां कल्याणी योग समिति द्वारा महिलाओं ने हरियाली तीज उत्सव का आयोजन बड़ी ही धूमधाम से किया ,उक्त कार्यक्रम में गायन वादन के साथ कजरी गीत का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया, योग प्रशिक्षिका सीता शर्मा ने हरियाली तीज व्रत के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि हरियाली तीज हिंदू धर्म एवं आस्था का एक प्रमुख पर्व है, सनातन धर्म में इस पर्व का विशेष महत्व है यह पर्व सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है इस दिन विवाहित और अविवाहित महिलाएं अपने वैवाहिक सुख एवं पति की दीर्घ आयु की कामना हेतु व्रत धारण करती है।

आगे उन्होंने बताया कि सनातन धर्म के अनुसार यह एक पर्व नहीं बल्कि धैर्य शक्ति और अटूट विश्वास तथा आस्था का प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी समिति द्वारा उक्त पर्व के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, योग प्रशिक्षिका सीता शर्मा के नेतृत्व में सहयोग प्रशिक्षिका सावित्री योग करता श्रीमती सोनी, मीनू ,रजनी, वंदना, शशि, पुष्पा ,आभा सोनी ,मालवी, शिवानी, रितु, अम्मा जी, मुस्कान शर्मा , प्रमुख रूप से कार्यक्रम के आयोजक मंडल में शामिल रहीं, साथ ही अन्य क्षेत्रीय महिलाएं भी कार्यक्रम में अपनी भागीदारी प्रस्तुत की ,और बड़े ही धूमधाम से हरियाली तीज उत्सव का कार्यक्रम मनाया। यह कार्यक्रम स्वामी जी की बगिया कल्याणी देवी प्रयागराज में आयोजित किया गया।

खेल निदेशालय, उ0प्र0 के तत्वाधान में राज्य स्तरीय महिला हैण्डबाल एवं बास्केटबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 कविता द्वारा खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त कर किया गया

भारत संवाद

आज दिनांक 27 से 29 जुलाई, 2025 तक राज्य स्तरीय महिला हैण्डबाल एवं बास्केटबाल प्रतियोगिता का उद्घाटन मदन मोहन मालवीय स्टेडियम प्रयागराज में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 कविता, आई.आर.एस., संयुक्त आयकर द्वारा खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त कर आशीर्वाद देते हुए किया। उन्होनें अपने सम्बोधन में आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इसी तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन होते रहेंगें, जिससे प्रदेश की महिला खिलाडियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा, आगे उन्होने कहा कि पढ़ाई के साथ साथ खेल का भी महत्व है एवं उन्होने यह भी कहा कि खिलाड़ियो की आर्थिक सहायता हेतु वह सदैव तत्पर रहेंगी। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री पंकज जायसवाल, पार्षद सिविल लाइन, प्रयागराज उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि का स्वागत श्री प्रेम कुमार, क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी, प्रयागराज एवं श्री आर.एस. बेदी, अंतरराष्ट्रीय बास्केटबाल खिलाड़ी व श्री अरविन्द सोनकर, क्रीड़ाधिकारी, चित्रकूट द्वारा बुके देकर एवं सुश्री श्रेया सिंह अंतरराष्ट्रीय ताइक्वान्डो खिलाड़ी द्वारा बैज लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर श्री देवी प्रसाद, उप क्रीड़ाधिकारी, श्री रंजीत यादव, उप क्रीड़ाधिकारी, प्रतापगढ, श्री मनीश गुप्ता, उप क्रीड़ाधिकारी, म्योहाल, श्री एम.एच.चौधरी, पूर्व क्रीड़ाधिकारी, श्री कौशल दीक्षित, सचिव, जिला हैण्डबाल संघ प्रयागराज, श्री पर्मेन्द्र सिंह संयुक्त सचिव, उ0प्र0 हैण्डबाल संघ, श्री एस.के.श्रीवास्तव, पूर्व राष्ट्रीय टी.टी. खिलाड़ी, श्री संजय श्रीवास्तव, श्री सत्येन्द्र सिंह, श्री संजय कुमार गुप्ता, श्री आशीष कुमार यादव, श्री मुकेश निषाद, श्री विनय कुमार, श्री अंकित तिवारी आदि उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में प्रदेष के महिला हैण्डबाल में कुल 18 मण्डल एवं बास्केटबाल में 16 मण्डलों ने प्रतिभाग किया।

आज दिनांक 27 जुलाई, 2025 प्रतियोगिता का परिणाम निम्नवत है:-

हैण्डबाल

प्रथम मैच वाराणसी मण्डल व मेरठ मण्डल के मध्य खेला गया, जिसमें वाराणसी मण्डल 14-04 से विजेता रही। जिसमें वाराणसी मण्डल की शेहा चौहान ने 04 गोल एवं सौम्या पाठक ने 03 तथा मेरठ मण्डल की तनु ने 01 गोल किया।

द्वितीय मैच आजमगढ़ मण्डल व देवी पाटन, गोण्डा मण्डल के मध्य खेला गया, जिसमें आजमगढ मण्डल 19-03 से विजेता रही।

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) कौशांबी में संगठन विस्तार

कईपदाधिकारियों की नियुक्ति प्रदेश प्रवक्ता की मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम

भारत संवाद

प्रदेश प्रवक्ता विजय नारायण त्रिपाठी ने कहा

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के कौशांबी इकाई में आज संगठन विस्तार के क्रम में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाना रहा। बैठक में कई पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई और युवा नेतृत्व को आगे लाने पर जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश प्रवक्ता विजय नारायण त्रिपाठी ने की। उनके साथ प्रयागराज जिला अध्यक्ष सनी शुक्ला, कौशांबी युवा जिला अध्यक्ष नमो मिश्रा, युवा जिला संरक्षक अजय मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव, तथा चायल तहसील अध्यक्ष बृजेश तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नव नियुक्त पदाधिकारियों के नाम

नीतीश मिश्रा झ युवा जिला उपाध्यक्ष, कौशांबी

नागेन्द्र द्विवेदी झ युवा संगठन मंत्री, कौशांबी

अनिरुद्ध तिवारी झ युवा जिला महासचिव, कौशांबी

वैभव वर्मा झ संगठन पदाधिकारी, कौशांबी

यूनियन का लक्ष्य किसानों की समस्याओं को पूरी मजबूती के साथ उठाना है। संगठन में ऊजावान और समर्पित युवाओं को जिम्मेदारी देकर भविष्य के संघर्षों की नींव मजबूत की जा रही है। संगठन के इस विस्तार से जिले में किसान यूनियन की गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नए पदाधिकारियों को शीघ्र ही आगामी किसान हित कार्यक्रमों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

ब्रह्माकुमारीज की प्रथम सह- प्रशासिका दीदी मनमोहिनी की पुण्यतिथि के अवसर पर सद्भावना केंद्र में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भारत संवाद

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज के मुख्य सेवा केंद्र सद्भावना भवन धनुआ में ब्रह्मा कुमारीज की प्रथम सह- प्रशासिका दीदी मनमोहिनी की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर अविनाश जायसवाल ऑर्थोलॉजिस्ट, डॉक्टर रेणुका जयसवाल, डॉक्टर रिचा शुक्ला , डॉक्टर भारत भूषण, डॉक्टर उत्तम जायसवाल और डॉक्टर पूनम माथुर ने हिस्सा लिया।कैंप के बारे में जानकारी देते हुए ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय निदेशिका मनोरमा दीदी ने बताया कि मरीजों का निःशुल्क बीएमडी टेस्ट किया गया तथा निःशुल्क दवा का वितरण भी किया गया। कैंप में दो सौ से ज्यादा मरीजों ने लाभ लिया। मनमोहिनी दीदी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहां कि वह शुरूआत से ही यज्ञ की बहुत जिम्मेदार हस्ती रहीं, जिन्होंने ब्रह्माकुमारीज को एक छोटे से पौधे से वटवृक्ष बनने तक संभाला। वह आजाद भारत के तत्कालीन सबसे धनी व्यक्ति जे टी चेनराय की बेटी थी तथा मुंबई के तत्कालीन भारत के सबसे बड़े अस्पताल, जसलोक अस्पताल के मालिक की बड़ी बहन थी। परंतु उनमें त्याग तपस्या एवं विश्व कल्याण की भावना पुर्ण रूप से भरी हुई थी इस कारण उन्होंने सांसारिक बंधनों और वैभवों को त्याग कर ब्रह्मा बाबा का अनुसरण किया

जम्मू-कश्मीर में रेल पटरियों और डिब्बों का तेजी से उन्नयन हो रहा है

टैम्पिंग और गिट्टी सफाई मशीनों की तैनाती से जम्मू-कश्मीर में यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित हुई है

- भारतीय रेलवे ट्रैक कर्मचारियों की सुरक्षा और कार्य स्थितियों में सुधार के लिए दोषों का पता लगाने हेतु एआई का उपयोग करेगा: केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

भारत संवाद

कश्मीर घाटी में संचालित डेमू मेमू डिब्बों को समयबद्ध तरीके से नए रेल संपर्क के माध्यम से लखनऊ कारखाने में पहुंचाया जा रहा है ताकि उनकी आवधिक मरम्मत की जा सके और उन्हें नवीनतम यात्री सुविधाओं से सुसज्जित किया जा सके प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 06 जून 2025 को चिनाब और अंजी पुलों के साथ उधमपुर-श्रीनगर- बारामूला रेलवे लिंक परियोजना का उद्घाटन किया। यह कश्मीर घाटी और जम्मू के बीच संपर्क स्थापित करने में एक ऐतिहासिक और प्रमुख उपलब्धि है। कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी इस मार्ग पर परिवहन का एक महत्वपूर्ण साधन बन गई है।रेल लाइन का रखरखावः नई रेलगाड़ी सेवाओं के अलावा, इस लाइन के शुरू होने से कश्मीर घाटी में रेल पटरियों के रख-रखाव की क्षमता में बुनियादी बदलाव आया है। रेलवे लिंक ने कश्मीर घाटी में रेल लाइन के रखरखाव वाली मशीनों की आवाजाही को सक्षम बनाया है। पहले रेल लाइनों का मानवीय रखरखाव के विपरीत, अब रखरखाव आधुनिक मशीनों से किया जा रहा है। इससे रेल लाइन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।ट्रैक मशीनों की तैनाती में वृद्धिः कश्मीर घाटी में रेलवे लाइनों की रखरखाव गतिविधियों को मजबूत करने के लिए, मशीनों की तैनाती को निम्नानुसार बढ़ाया गया है:

भावभीनी श्रद्धांजलि

यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि पूरे देश की हृदय विदारक क्षण : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

मनसा देवी मंदिर, हरिद्वार में भगदड़ की दुखद घटना पर शोक संवेदना

भारत संवाद

ऋषिकेश। मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की पुण्यतिथि पर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने उनकी देशभक्ति व राष्ट्रप्रेम को नमन करते हुये भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने इस अवसर पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ. कलाम साहब केवल वैज्ञानिक नहीं, बल्कि एक सजग व्यक्तित्व, विचारशील राष्ट्रसेवक और भारत के युवाओं के लिए एक उज्ज्वल प्रकाशपुंज थे। वे कहते थे, सपने वो नहीं जो सोते वक्त आएं, बल्कि सपने वो हैं जो आपको सोने न दें। आज भी उनका जीवन और विचार सभी युवाओं को एक विकसित और समर्पित भारत के निर्माण की प्रेरणा देता है।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा हरिद्वार से आई एक अत्यंत दुखद सूचना ने सभी को गहरे दुख में डुबो दिया। मनसा देवी मंदिर में आज सुबह दर्शन के लिए उमड़ी भारी भीड़ के कारण सीढ़ी मार्ग पर भगदड़ मच गई, जिसमें कुछ श्रद्धालु घायल हुए और दुर्भाग्यवश कुछ श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने इस पीड़ादायक घटना पर गहन शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्रद्धा के पथ पर चले ये श्रद्धालु माँ के दर्शन की अभिलाषा लिए आए थे, पर अब वे माँ की अनंत गोद में समा गए। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि पूरे देश की हृदय विदारक क्षण है।स्वामी जी ने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जब कोई तीर्थ यात्री घर से माँ के दर्शन की भावना लेकर निकलता है, तो वह केवल एक व्यक्ति नहीं होता, वह एक परिवार की आस्था, भावनाओं और विश्वास का प्रतिनिधि होता है। जब ऐसा कोई अचानक काल का ग्रास बनता है, तो केवल शरीर नहीं, पूरे परिवार का विश्वास और जीवन बिखर जाता है।स्वामी जी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार और जिला प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है, और घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी स्वयं स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं परन्तु आप सभी धैर्य व संयम से कार्य करें।परमार्थ निकेतन के गंगा तट पर ऋषिकुमारों ने सामूहिक रूप से माँ गंगा और माँ मनसा देवी से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें, घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें और पीड़ित परिवारों को यह वज्र सा दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

आरओ/एआरओ परीक्षा कौशांबी के 13 परीक्षा केंद्रों पर कुल 5280 अभ्यर्थी पंजीकृत, केवल 2443 हुए उपस्थित प्रशासनिक सख्ती के बीच अनुपस्थित छात्रों की बड़ी संख्या चर्चा में

कौशांबी बना परीक्षा पारदर्शिता का मॉडल, लेकिन उपस्थिति दर मात्र 46.9%

भारत संवाद

कौशांबी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) द्वारा आयोजित RO/ARO परीक्षा 2025 को कौशांबी में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया गया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी और पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार की सतत निगरानी में परीक्षा संचालन को प्रदेश भर में एग्जाम मॉडल के रूप में सराहा गया। हालांकि, परीक्षा में 5280 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से मात्र 2443 छात्र ही उपस्थित हो सके, शेष 2837 छात्र अनुपस्थित रहे। यह उपस्थिति दर सिर्फ 46.9% रही, जो प्रशासनिक अनुशासन और पारदर्शिता के बीच एक अलग ही चर्चा का विषय बन गई।

केंद्रवार उपस्थिति विवरण

क्रमपरीक्षा केंद्र कुल छात्र उपस्थित अनुपस्थित

1- कौशांबी पब्लिक स्कूल, बिदनपुर ककोड़ा (कोखराज) 480 205 उपस्थित, 275 अनुपस्थित

2- एम.बी. कॉन्वेंट एंड कॉलेज, ओसा (मंझनपुर) 480 225 उपस्थित, 255 अनुपस्थित

3- मान सिंह इंटर कॉलेज, अलीपुर जीता 384 175उपस्थित 209अनुपस्थि

4- नंदी वाणी पब्लिक स्कूल, मंवारा 384 1 7 8 उपस्थित, 206अनुपस्थि

5- नेशनल इंटर कॉलेज, मंवारा 384 192उपस्थित, 192अनुपस्थित

6- भवंस मेहता कॉलेज, भरवारी (कोखराज) 384 186उपस्थित 198अनुपस्थित

7- श्री हुबलाल इंटर कॉलेज, भरवारी 384 179उपस्थित, 205 अनुपस्थित

8- कृषक इंटर कॉलेज, हिनौता (महेवाघाट) 384 153उपस्थित, 231अनुपस्थित

9- डॉ. रिजवी स्प्रिंगफील्ड स्कूल, करारी 480 208उपस्थित, 272 अनुपस्थित

10- करारी इंटर कॉलेज, करारी 384 185उपस्थित, 199अनुपस्थित

लोधा ब्लॉक के खेरेश्वर चौराहे पर शौचालय की समस्या, जनता परेशान

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़ लोधा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले खेरेश्वर चौराहे के आस-पास शौचालय न होने से स्थानीय लोग और राहगीर बेहद परेशान हैं। प्रतिदिन सैकड़ों लोग इस मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था न होने के कारण उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई बार पंचायत और प्रशासन से शिकायत की गई, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। महिलाएं और बच्चे इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हैं लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द शौचालय निर्माण कराने और साफ-सफाई की उचित व्यवस्था करने की मांग की है

रो.कर्नल संजय मिड्ढा रोटरी क्लब क्लासिक सहारनपुर के अध्यक्ष मनोनीत

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं प्रमुख समाजसेवी रोटेरियन कर्नल संजय मिड्ढा को रोटरी क्लब क्लासिक सहारनपुर का कॉलर पहनाकर नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

एक होटल के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अनुशासित एवं संगीतमयी माहौल में रोटेरियन महेश चावला ने कर्नल संजय मिड्ढा को अध्यक्ष पद के लिए, सेक्रेटरी पवन अरोडा को रोटेरियन राजेन्द्र सेठी के द्वारा कॉलर पहनाकर जोरदार अभिनन्दन एवं स्वागत कर पदभार ग्रहण कराया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष कर्नल संजय मिडढा ने कहा कि जिस प्रकार उनके पूर्व के कार्यकाल में समाजसेवा का प्रमुखता दी गयी है तथा रोटरी के सिद्धान्तों के अनुरूप कार्य किया गया है,उसी प्रकार वे आगे भी समाजहित में कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि रोटरी हमें अनुशासन व दूसरों के प्रति सेवाभाव से कार्य करने का बल प्रदान करती है और वे भी इन्हीं सिद्धान्तों को मानते हुए जरूरतमंदों की सेवा के लिए तन-मन-धन से सभी के सहयोग से हमेशा तत्पर रहेंगे।

इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन रोनक भाटिया ने आगामी अध्यक्ष कर्नल संजय मिड्ढा को पदभार सौंपा। कार्यक्रम में विक्रम चावला, सविता माखीजा, संजीव मेहता एवं कर्नल संजय मिड्ढा को पॉल हैरिस अवार्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही पिछले वर्ष के गवर्नर अवार्ड्स भी वितरित किए गए।

इसके बाद ओल्ड इज गोल्ड थीम पर आधारित संगीत संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें क्लब की महिलाओं ने पुराने सदाबहार गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। म्यूजिकल तंबोला, गेम्स और डीजे डांस ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। इस अवसर पर रोटेरियन संजय धींगरा. आशु चावला, संजय कालरा, जसविंदर सिंह अरोड़ा, राजेश भाटिया, अजिन्दर पाल सिंह, सुमन नारंग, पुनीत गोयल, एकता मिडढा, डिंपल ढींगरा, मीनू अरोड़ा, मानसी खुराना, नीलम, गोल्डी, अमनप्रीत बत्रा, अर्पिता, रमनदीप और प्रोग्राम अध्यक्ष राकेश बजाज आरती बजाज एवं रोटेरियन लकी चानना रहे। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन मनप्रीत बत्रा द्वारा किया गया। इस समारोह में लगभग 100 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कर्नल संजय द्वारा वर्ष 2025-26 के बोर्ड की टीम की भी घोषणा भी की।

फास्ट ट्रैक

हाईवे पर बुग्गी को कैंटर ने मारी टक्कर, चालक की मौत

सहारनपुर। जनपद के थाना रामपुर मनिहारान क्षेत्र के ग्राम जन्धेड़ा के पास आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बुग्गी चालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, एक तेज रफ्तार कैंटर ने हाईवे पर एक छोटी बैल बुग्गी को टक्कर मार दी, जिससे बुग्गी चला रहे ईश्वर सिंह (पुत्र हुकुम सिंह) की मौके पर ही मौत हो गई हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक के परिजनों से तहरीर प्राप्त कर पुलिस द्वारा संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है इस संबंध में पुलिस अधीक्षक नगर व्योम बिंदल ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी दी और दोषी वाहन चालक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

अवैध चाकू सहित दो शातिर दबोचे

सहारनपुर। थाना कुतुबशेर पुलिस ने दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर कब्जे से दो अवैध चाकू बरामद किये। एसएसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध नियंत्रण व वांछित,वारण्टी,अवैध अस्त्र-शस्त्र रखने,तस्करी करने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक एच.एन.सिंह के कुशल नेतृत्व में आज थाना कुतुबशेर पुलिस टीम द्वारा चैकिंग व गश्त के दौरान दो शातिर अभियुक्तों शाकिब पुत्र शहीद व मोहसीन पुत्र मोबीन निवासी एकता कालोनी थाना कुतुबशेर जिला सहारनपुर को रामगढ बडी नहर के पास से गिरफ्तार किया गया। दोनों के कब्जे से दो नाजायज चाकू बरामद किये गये। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना कुतुबशेर एच.एन.सिंह, एसआई जयवीर सिंह, मुख्य आरक्षी कपिल तोमर, सुभाष कुमार शामिल रहे।

शिक्षा बचाओ- भविष्य बचाओ अभियान को लेकर होगा शांतिपूर्ण प्रदर्शन

सहारनपुर। प्रदेश सरकार द्वारा 5000 से अधिक सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के मरजीकरण (मर्जर) के निर्णय के खिलाफ अब विरोध की आवाज तेज होने लगी है। इसी क्रम में डॉ. अंबेडकर स्टूडेंट यूनियन के नेतृत्व में आगामी 28 जुलाई, दिन सोमवार को दोपहर 11 बजे एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन एवं ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यह प्रदर्शन सहारनपुर के हकीकत नगर चैराहा, रामलीला मैदान (निकट जिलाधिकारी कार्यालय) पर होगा, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावक, युवा, सामाजिक संगठन व जागरूक नागरिक भाग लेंगे। कौ-के जिला प्रभारी प्रणव कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों को एकीकृत करने की योजना न केवल शिक्षा के अधिकार के खिलाफ है, बल्कि इससे गरीब और ग्रामीण बच्चों के भविष्य पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने और अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।प्रणव कुमार ने कहा, अब समय आ गया है कि हम एकजुट होकर शिक्षा के अधिकार की इस लड़ाई को मजबूती दें। आपकी भागीदारी ही बदलाव की शुरूआत है।

परीक्षा केंद्रों का डीआईजी ने किया निरीक्षण

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 के सकुशल आयोजन को लेकर पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र अभिषेक सिंह ने रविवार को जनपद सहारनपुर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस बल की ड्यूटी को चेक किया और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीआईजी श्री सिंह ने केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों का प्रयोग न हो, इसकी कड़ी निगरानी रखी जाए। साथ ही प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा और उनके सुरक्षित संचरण को सुनिश्चित करने के लिए समुचित इंतजाम करने के निर्देश भी दिए।

UPSIDA का हरित औद्योगिक मॉडलः जल संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश में मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में औद्योगिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को समान प्राथमिकता दी जा रही है। पर्यावरण समर्थ और उद्योग समर्थ उत्तर प्रदेश की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPSIDA) सतत प्रयासरत है। UPSIDA के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री मयूर महेश्वरी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं दीर्घकालिक विजन के अंतर्गत, औद्योगिक क्षेत्रों से उत्पन्न प्रदूषित जल के प्रभावी शोधन के लिए अत्याधुनिक तकनीकों से युक्त जल शोधन संयंत्रों की स्थापना और उन्नयन का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है।

राज्य के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में UPSIDA द्वारा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP), वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट (WWTP) एवं कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (CETP) के माध्यम से अपशिष्ट जल का शोधन किया जा रहा है। इन संयंत्रों का उद्देश्य औद्योगिक इकाइयों एवं आवासीय क्षेत्रों से निकलने वाले अपशिष्ट जल को पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप शोधित कर जल का पुनः उपयोग सुनिश्चित करना है।

गौतम बुद्ध नगर जिले में स्थित वढरकऊअ के औद्योगिक क्षेत्रों में दो UPSIDA कार्यरत हैं। सूरजपुर स्थित संयंत्र, जिसकी स्थापना वर्ष 2014 में 6 टछऊ क्षमता के साथ की गई थी, को अब आधुनिक SSBR (Sequential Batch Reactor) तकनीक में अपग्रेड किया जा रहा है। यह कार्य उत्तर प्रदेश जल निगम के माध्यम से 899 लाख की लागत से किया जा रहा है, जो जून 2026 तक पूर्ण किया जाएगा। इसी प्रकार, EPIP कसना में स्थित 3.6 MLD क्षमता वाला संयंत्र भी रइफ तकनीक में उन्नयनाधीन है, जिसकी लागत 678.59 लाख निर्धारित की गई है। इस परियोजना को भी जून 2026 तक पूर्ण कर दिया जाएगा। गाज़ियाबाद जनपद के अंतर्गत ट्रांस दिल्ली सिग्नेचर सिटी, लोनी में स्थित STP वर्ष 2001 से कार्यरत है, जिसकी क्षमता 5 MLD है और यह संयंत्र MBBR तकनीक पर आधारित है। यह संयंत्र वर्तमान में 100% स्थापित क्षमता पर कार्य कर रहा है तथा सभी मानकों के अनुरूप है।इसी क्षेत्र में स्थित एक और महत्वपूर्ण संयंत्र CETP है, जिसे विशेष रूप से डाइंग एवं टेक्सटाइल इकाइयों से निकलने वाले अपशिष्ट जल के उपचार हेतु स्थापित किया गया है। वर्तमान में इसकी क्षमता 6 MLD है, जोकि वर्तमान में यूपीपीसीबी और एनएमसीजी के मानकों के अनुसार कार्यरत है। UPSIDA द्वारा इस संयंत्र को 16 MLD क्षमता में विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए लगभग ?42 करोड़ की लागत से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार की जा चुकी है। यह उन्नयन औद्योगिक इकाइयों की भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जो क्षेत्र के सतत औद्योगिक विकास को गति देगा।

UPSIDA द्वारा संचालित जल शोधन संयंत्रों में शोधित जल को पुनः उपयोग (Reuse) करने की दिशा में भी योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। शोधित जल को औद्योगिक इकाइयों में कूलिंग, फ्लशिंग, बागवानी, सड़क की धुलाई आदि कार्यों में उपयोग हेतु तैयार किया जायेगा।

भारत रेलवे उपकरणों का बड़ा निर्यातक बन रहा है

भारत संवाद

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज गुजरात के वडोदरा के सावली स्थित एल्सटॉम कारखाने का दौरा किया। मंत्री महोदय के साथ वडोदरा के सांसद डॉ. हेमांग जोशी, सावली के विधायक श्री केतनभाई इनामदार, पश्चिम रेलवे और मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, वडोदरा और अहमदाबाद के मंडल रेल प्रबंधक और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी मौजूद थे। नमो भारत कोचों का निमार्णः कारखाने में कार्यरत अल्सटॉम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने रेल मंत्री को इकाई में किए जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। रेल मंत्री ने अत्याधुनिक तकनीक से निर्मित 'नमो भारत' कोचों के आधुनिक डिजाइन और निर्माण गुणवत्ता की सराहना की। व्यापक रखरखाव गतिविधियाँः एल्सटॉम टीम ने मंत्री को सामग्री उपयोग और आपूर्तिकर्ता एकीकरण सहित चल रही रखरखाव गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। सेंसर और एआई का उपयोग करके निवारक रखरखाव पर भी चर्चा हुई।

मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड

रेल मंत्री को कंपनी के प्रत्येक ऑर्डर के साथ उपकरणों के डिजाइन को निरंतर उन्नत करने के अभिनव दृष्टिकोण से अवगत कराया गया। मंत्री ने एल्सटॉम को उसके 'भारत में डिजाइन' रेलवे उपकरणों के लिए बधाई दी।कारखाने में निर्मित कोच, लोकोमोटिव, बोगियां, प्रणोदन प्रणालियाँ आदि दुनिया भर में निर्यात की जा रही हैं। ये रेलवे उपकरण 'भारत से दुनिया तक डिजाइन, विकास और वितरण' पहल के तहत ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, मैक्सिको और अन्य देशों तक पहुँच रहे हैं।भारत में रेलवे निर्माण भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' विजन का प्रभाव देख रहा है।रेल मंत्री ने मेक इन इंडिया कार्यक्रम की सफलता पर बताया, भारत अब दुनिया के कई विकसित देशों को रेलवे के कलपुर्जे, कोच और लोको का निर्यात कर रहा है।

सावली कारखाने ने वडोदरा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजित किए हैं और क्षेत्र के समग्र विकास को गति दी है।

विश्व के लिए भारत में प्रतिभा विकास

मंत्री को भारत में एल्सटॉम द्वारा की जा रही प्रतिभा विकास गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि भारत में एल्सटॉम के लगभग 7,000 इंजीनियर हैं, जिनमें रोलिंग स्टॉक और सिग्नलिंग सिस्टम दोनों शामिल हैं। इनमें से लगभग 300 इंजीनियर अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं में कार्यरत हैं।

मंत्री ने एल्सटॉम के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में रुचि व्यक्त की और गति शक्ति विश्वविद्यालय के साथ सहयोग का सुझाव दिया। उन्होंने एल्सटॉम, सावली और पश्चिम रेलवे के वडोदरा डिवीजन के बीच मौजूदा प्रशिक्षण साझेदारी की सराहना की।

महिलाओं ने हरियाली तीज धूमधाम से मनायी

भारत संवाद

सहारनपुर। हरियाली तीज कार्यक्रम में महिलाओ ने भाग लेकर कार्यक्रम को धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में तीज रानी आरती, गौरा तीज सोनिका व गणगौर महारानी मीता को चुना गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाली महिलाओ को सम्मानित किया गया।

अग्रवाल महिला मित्र मंडल के द्वारा अम्बाला रोड स्थित एक होटल के सभागार में तीज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे काफी संख्या मे महिलाओ ने भाग लेकर हरियाली तीज कार्यक्रम को धूमधाम से मनाया। अग्रवाल महिला मित्र मंडल की अध्यक्षा अर्चना गोयल ने बताया कि तीज कार्यक्रम शुभारंभ की शिव स्तुति के साथ किया गया जो कि सोनिका के द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की संयोजिका गार्गी और कविता एक नये अंदाज में गणगौर की बहार के रूप में लेकर आई है। उन्होने बताया कि कार्यक्रम में विशेष आकर्षण कठपुतली डांस रहा। जिसकी प्रस्तुति नितुल और संगीता के द्वारा दी गई। कार्यक्रम में सरप्राईज, प्रश्नोत्तरी, तम्बोला आदि रंगारंग कार्यक्रमो का भी आयोजन किया गया। जिनकी प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम मे महिलाओ ने तीज के गानो पर खुब नृत्य भी किया। कार्यक्रम में तीज रानी आरती, गौरा तीज सोनिका व गणगौर महारानी मीता को चुना गया। कार्यक्रम में संरक्षिका पूनम गर्ग, सचिव रमा, कोषाध्यक्ष सारिका, नीलम, दिप्पी, गरिमा, पूजा, आरती, बरखा, रेणु, ऐश्वर्या, ममता, रजनी, सुमन, मोनिका, रीना, सरोज सरोज सुनीता समेत अग्रवाल महिला मित्र मंडल की कई पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रही।

प्रोजेक्ट मिलन के तहत परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को मिली बड़ी सफलता, काउंसिलिंग के माध्यम से 10 बिछड़े दम्पत्तियों को मिलाया गया

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर के निर्देशन में जनपद में चलायें जा रहे प्रोजेक्ट मिलन में महिला परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को बड़ी सफलता मिली है । आज दिनांक 27.07.2025 को जनपद मीरजापुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के 10 बिछड़े दम्पत्तियों को परिवार परामर्श केन्द्र में हुई काउन्सिलिंग के माध्यम से एक साथ रहने हेतु राजी कर लिया गया । उक्त विवाहित दम्पत्ति विभिन्न कारणों से अलग-अलग रह रहे थे । परिवार परामर्श केन्द्र, मीरजापुर में प्रोजेक्ट मिलन काउंसिलिंग में होने वाली समस्त कार्यवाही के दौरान महिला उप निरीक्षक रीता यादव, महिला मुख्य आरक्षी-ममता तिवारी व सावित्री यादव एवं सदस्यगण डा0कृष्णा सिंह व ओपी सुनीता देवी मौजूद रहें ।

चोरी की मोटर साहित शातिर चोर गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। सरसावा पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गयी मोटर साइकिल सहित 4 अन्य मोबाइल फोन भी बरामद किये।गत 19 जुलाई को वादी उमेश कुमार पुत्र गोपाल घावरी निवासी नकुड रोड मौ0 बाल्मिकी बस्ती कस्बा व थाना सरसावा जिला सहारनपुर की लिखित तहरीर बाबत अज्ञात चोर द्वारा वादी की मोटरसाईकिल स्पलेन्डर प्लस को चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध मे थाना सरसावा पर मु0अ0स0 पंजीकृत किया गया। एसएसपी के निर्देशन में वाहन चोर, नकबजन, शातिर अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु लगातार संघन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी नकुड के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक सरसावा नरेन्द्र कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व मे आज मुखबिर की सूचना पर थाना सरसावा पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वाहन चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 1 शातिर वाहन चोर आशू उर्फ आस मौहम्मद पुत्र जोनी निवासी बादियो वाली गली मौ0 मिर्धान कस्बा व थाना सरसावा सहारनपुर को चोरी कि गई मोटर साईकिल स्पलेण्डर प्लस व चोरी किये गये 4 मोबाअल फोन सहित बुढेडा सरसावा मार्ग पर ग्राम अहमदपुर सादात को जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त मे अभियुक्त के विरुद्ध धारा 317(2),317(5) बीएनएस की वृद्धि की गयी। पुलिस टीम में एसआई वाहन चोरी,नकबजनी,लूट आदि आपराधिक घटनाओं की रोकथाम व प्रेमपाल सिंह, आरक्षी विनीत कुमार, हरदयाल शामिल रहे।

हेपेटाइटिस के लक्षण और बचाव की जानकारी दी

भारत संवाद

सहारनपुर। पूरे विश्व में 28 जुलाई को वर्ल्ड होपेटाइटिस डे मनाया जाता है। वर्ल्ड होपेटाइटिस डे पर सहारनपुर के डॉ. संजीव मिगलानी ने हेपेटाइटिस के लक्षण और बचाव के बारे मे जानकारी देकर लोगो को जागरुक किया।

डॉ. संजीव मिगलानी ने बताया कि 28 जुलाई को पूरे विश्व में वर्ल्ड होपेटाइटिस डे मनाया जाता है। जिसके अन्तर्गत लोगो को हेपेटाइटिस के बारे मे सही से जानकारी देकर हेपेटाइटिस के लक्षण और बचाव के बारे मे लोगो को जागरुक किया जाता है। डॉ. संजीव मिगलानी ने बताया कि हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी, इ टाईप के वायरस से पैदा होता है। विश व में 32.5 करोड लोग हेपेटाइटिस बी और सी वाइरस से प्रभावित है और लगभग 30 करोड इससे अनभिज्ञ रहते है। भारत मे लगभग 4 करोड लोग हेपेटाइटिस बी और 1.2 करोड लोग हेपेटाइटिस सी से प्रभावित है। हेपेटाइटिस बी और सी से लगभग 13 लाख लोग हर वर्ष अपनी जान गवा देते है। हेपेटाइटिस से प्रतिदिन 3500 मौतें होती है। हेपेटाइटिस से हर मिनट 2.4 लोग अपनी जान गवा रहे है। हेपेटाइटिस बी और सी लीवर कैंसर का मुख्य कारण है। हेपेटाइटिस बी और सी के समय पर परीक्षण और उपचार कर जीवन को बचाया जा सकता है।

डॉ. संजीव मिगलानी ने बताया हेपेटाइटिस के लक्षणो के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि बुखार, त्वचा और आंखो में पीला पन होना (पीलिया), पेशाब का पीला आना, थकान, भूख नही लगना, जी कच्चा और उल्टी होना, वजन कम होना, पेट में दर्द होना, जोडो में दर्द, डायरिया इसके लक्षण है। डॉ. संजीव मिगलानी ने हेपेटाइटिस के बचाव के बारे मे बताया कि हाथ अच्छी तरह धोकर खाना खाना चाहिए।

डीएम,एसएसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

भारत संवाद

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी ने आगामी समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी भर्ती परीक्षा को सुचारु, नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि परीक्षा की पवित्रता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने केंद्र प्रभारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए सीसीटीवी, स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती, सुरक्षा बलों की उपस्थिति, पेयजल, विद्युत एवं शौचालय की सुविधाओं का भी जायजा लिया। वहीं एसएसपी श्री आशीष तिवारी ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चैबंद बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पुलिस बल मुस्तैद रहेगा।प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि या नकल की कोशिश को सख्ती से रोका जाएगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

फैशन इंडस्ट्री में आपको चाहिए क्रिएटिविटी और आर्ट से अधिक स्किल्स

आज के फैशन इंडस्ट्री में आपको क्रिएटिविटी और आर्ट से अधिक स्किल्स चाहिए। फैशन इंडस्ट्री में लगभग 3,400 मिलियन लेबर फोर्स जुड़ा है। फैशन इंडस्ट्री में बढ़ती डिमांड के कारण इस क्षेत्र में करियर के ऑप्शन भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इस इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको क्रिएटिविटी और आर्ट के अलावा भी कई ऐसे स्किल्स हैं जिसकी मदद से बेहतर करियर बनाया जा सकता है। आइए इस विषय पर चर्चा करते हैं।

बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स

एक सफल कोलॉबोरेशन के लिए एक फैशन डिजाइनर के रूप में अपने करियर को एक नए लेवल पर विस्तारित करने के लिए बेहतर कम्यूनिकेशन की आवश्यकता होती है। अपने विचारों को साझा करना, विचार एकत्र करना और आलोचना करना उचित और उचित संचार पद्धति के साथ-साथ चलते हैं।

इफेक्टिव नीडल वर्क

एक फैशन डिजाइनर के रूप में, सिलाई सबसे बुनियादी स्किल्स में से एक बन जाती है। एक डिजाइनर के रूप में आपको अपने द्वारा डिजाइन किए गए कपड़े बनाने में सक्षम होना चाहिए। सब कुछ पूरी तरह से जुड़ जाता है जब आप एक शुरुआत के रूप में अपने डिजाइनों को शीट से बाहर लाने में शामिल तरीकों के अनुभवी ज्ञान की भावना विकसित करने के लिए कर सकते हैं।

अच्छे शैक्षणिक संस्थान

अगर फैशन डिजाइनर बनना होगा है आपकी जड़ें मजबूत होनी चाहिए। फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करने से पहले यह जरूर चेक कर लें कि कौन-सा शैक्षिक संस्थान आपके लिए सबसे बेहतर होगा। इस विषय में इंटरनेट पर सारी जानकारियां मिल जाएंगे।

सहयोगात्मक और टीम स्किल्स

एक फैशन डिजाइनिंग के स्टूडेंट के रूप में टीम स्किल्स बहुत आवश्यक हो जाता है। फैशन डिजाइनिंग ड्रेस डिजाइन करने के अलावा और भी बहुत कुछ है। इसके लिए ऐसे लोगों के साथ एक टीम की आवश्यकता होती है जो समस्या-समाधान को संभाल सकें, मुद्दों का समाधान कर सकें, एक दूसरे के साथ सहयोग कर सकें।

बीबीए के बाद दें अपने सपनों को नई उड़ान

बीबीए यानि बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन आजकल विद्यार्थियों में खासा लोकप्रिय कोर्स है। यह मैनेजमेंट में अपना करियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए ही बना है

अन्य क्षेत्रों की तरह ही इस क्षेत्र में वेतन पैकेज किसी व्यक्ति की क्षमताओं पर निर्भर करता है, लेकिन कोई भी प्रति माह 8000 से 30000 के बीच पैकेज की अपेक्षा कर सकता है। जिसमें सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिसर्च असिस्टेंट, ऑफिसर, असिस्टेंट मैनेजर, इवेंट मैनेजर या फिर फाइनेंसियल एनालिस्ट के रूप में आपको नौकरी मिल सकती है।

मैनेजमेंट में पोस्टग्रेजुएट डिग्री

जैसे कि आप सभी जानते होंगे, बीबीए एमबीए की नींव रखता है। यह वास्तव में, एमबीए के लिए जरूरी कदम माना जा सकता है। दूसरे छात्रों के मुकाबले मैनेजमेंट से ग्रेजुएशन करने वाले छात्र के लिए एमबीए करना आसान हो जाता है क्योंकि उसे पहले से मैनेजमेंट के मूल सूत्रों के बारे में ज्ञान रहता है। बीबीए के बाद आप या तो एमबीए या पीजीडीएम कर सकते हैं। दोनों ही प्रोफेशनल पाठ्यक्रम हैं और आपको बिजनेस और मैनेजमेंट स्किल्स के बारे में ज्ञान प्रदान करते हैं। एक छात्र पोस्ट-ग्रेजुएशन स्तर पर अपनी पसंद के किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञ भी हो सकता है और भविष्य की करियर संभावनाओं को बढ़ा सकता है।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में विकल्प

बीबीए करने के बाद एक छात्र के पास बहुत सारे विकल्प रहते है, वो कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी अपनी सफलता का परचम फैला सकता है और एक अच्छे वेतन के साथ नौकरी प्राप्त कर सकता है। इस कोर्स की बहुमुखी प्रकृति के कारण नौकरी के अवसर भी बहुमुखी होते है- जैसे कि फायनेंस, मार्केटिंग या फिर ऑपरेशन्स डिपार्टमेंट, साथ ही ह्यूमन रिसोर्स एग्जीक्यूटिव (मानव संसाधन कार्यकारी) के रूप में भी काम कर सकता हैं। इस कोर्स की खास बात ये भी है कि ये एक प्रोफेशनल कोर्स है और इसलिए विद्यार्थियों का प्लेसमेंट कॉलेज कैंपस में भी हो सकता है क्योंकि विभिन्न कम्पनियाँ कॉलेज में से ही नौकरी के लिए उम्मीदवार खोजती है।

एक बिजनेसमैन बने

आजकल स्टार्टअप का जमाना है, जहाँ एक समय था जब लोग नौकरी कि चाह रखते थे वही आज बिज़नेस करने का मन रखने वाले युवाओं की गिनती भी लगातार बढ़ रही है। ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र अपने आपको एक उद्यमी के रूप में देखना पसंद कर रहे है। बीबीए के एक छात्र को व्यवसाय से संबंधित ज्ञान दिया जाता है, जो उसे सफलतापूर्वक व्यवसाय चलाने के लिए आवश्यक कौशल हासिल करने में मदद करता है। नेतृत्व और संचार कौशल पर अत्यधिक ध्यान देने के कारण, छात्र सही निर्णय लेने और उद्यमी के रूप में अपना व्यवसाय को सफल बनाने में सक्षम हो जाता है।

सरकारी क्षेत्र में कार्य

आईबीपीएस, एसबीआई और अन्य बैंक परीक्षाओं जैसी कई प्रतिष्ठित सरकारी परीक्षाएं बैंकिंग और व्यवसाय के ज्ञान पर जोर देती हैं। बीबीए में डिग्री के साथ, आप इन परीक्षाओं को आसानी से उत्तीर्ण कर सकते हैं। एक बीबीए छात्र को पाठ्यक्रम के दौरान बैंकों, उनके कामकाज और विभिन्न व्यापार-संबंधी मामलों के बारे में जानकारी दी जाती है, इसलिए एक मैनेजमेंट का छात्र निश्चित रूप से अन्य छात्रों के मुकाबले इस क्षेत्र में भी अव्वल हो सकता है।

विदेशी दूतावासों में नौकरी

विभिन्न विदेशी दूतावासों को मैनेजमेंट की डिग्री वाले छात्रों की आवश्यकता होती है। छात्र एक विदेशी भाषा सीख सकते हैं और उस विशेष दूतावास में काम पर जा सकते हैं। छात्र टीओईएफएल या आईईएलटीएस जैसी परीक्षाएं भी दे सकते हैं और आगे के अध्ययन के लिए विदेश में जा सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग क्षेत्र

बीबीए की डिग्री के साथ छात्र डिजिटल मार्केटिंग क्षेत्र में भी अपने हाथ आजमा सकते है, इस क्षेत्र में अभी अपार संभावनाएं है। सोशल मीडिया और डिजिटलीकरण ने इस क्षेत्र में नौकरियों का भंडार लगा दिया है। आज विभिन्न मार्केटिंग और बिज़नेस स्किल्स को अपना लोग अपने व्यवसाय को नयी उच्चाइयों पर ले जा रहे है और इसलिए ही इस क्षेत्र में एक बीबीए के छात्र को आसानी से रोजगार के अवसर मिल सकते है। बुनियादी ज्ञान और अच्छे लेखन कौशल होने से आप इस नए पेशे में अपने करियर को तेजी से बना सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से, आप किसी भी कंपनी की छवि को बदलने और बिज़नेस और मार्केटिंग के लिए रणनीति बना सोशल मीडिया का स्मार्ट उपयोग कर सकते हैं। इन दिनों प्रचलित नौकरियों में कंटेंट राइटिंग और क्रिएटिव राइटिंग जैसे कई अन्य विकल्प भी शामिल हैं, जिनसे आप विज्ञापन एजेंसियों और दूसरी कंपनियों के लिए लिख कर पैसा कमा सकते है।

अन्य विशेष कोर्स में करियर

मैनेजमेंट में डिग्री कर एक छात्र अन्य पाठ्यक्रमों जैसे होटल मैनेजमेंट और टूरिज्म में भी विशेष डिग्री कर अपना करियर बना सकता है। इसके अलावा विद्यार्थी चार्टर्ड अकाउंटेंट भी बन सकते हैं, जिसके लिए उसके तीन चरणों को उत्तीर्ण करना होगा। एक छात्र चाहे तो कई सर्टिफिकेशन कोर्स भी कर सकता है - जैसे की प्रमाणित विश्लेषक कार्यक्रम (सीसीएपी), फायनेंस में एग्जीक्यूटिव कोर्स या रिस्क मैनेजमेंट में डिग्री कर भी करियर बना सकता है। इसलिए, बीबीए के बाद कई विकल्प हैं, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि आपकी रुचि कहाँ है। अपने विकल्पों का मूल्यांकन करें, अपनी रुचियों का आत्म निरीक्षण करें और आगे का सबसे अच्छा तरीका चुनें।

कुछ अलग क्षेत्र

एक अलग क्षेत्र का चयन करना उन छात्रों के लिए अच्छा तरीका हो सकता है, जिनकी बिज़नेस और मैनेजमेंट क्षेत्र से बाहर निकलने की इच्छा है क्योंकि उनका पाठ्यक्रम के दौरान या बाद में कोर्स में रुचि नहीं थी। मास कम्युनिकेशन, ट्रेवल एंड टूरिज्म जैसे कार्यक्रम ग्रेजुएशन के ज्ञान का उपयोग कर और नया ज्ञान दे, एक छात्र के करियर को नयी दिशा दे सकते है। बिज़नेस जर्नलिज्म, मास कम्युनिकेशन करने के बाद एक अच्छा क्षेत्र है, जो एक छात्र को अपने दोनों पाठ्यक्रमों के ज्ञान का उपयोग करवाएगा।

खेल में करियर बनाने के लिए जरूरी हैं ये बातें

पिछले कुछ वर्षों से भारत में क्रिकेट के साथ-साथ टेनिस, हॉकी, कबड्डी, फुटबॉल आदि खेलों में भी युवाओं की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। आउटडोर व इनडोर खेले जाने वाले ऐसे तमाम स्पोर्ट्स हैं, जिनमें से आप अपनी पसंद के अनुसार किसी एक को चुनकर उसे अपना पैशन बना सकते हैं। अगर आप किसी खेल के दीवाने हैं, दिन-रात हर समय आंखों के सामने वही छाया रहता है, तो फिर अपने इस शौक को जुनून बनाने से पीछे न हटें। घर-परिवार को कनविंस करें, स्कूल-कॉलेज या क्लब की टीम में शामिल हों और हर मोर्चे पर सक्रिय रहते हुए अपनी अलग पहचान बनाएं। कुछ नया और अलग करने का प्रयास करके ही आप दूसरों की नजरों में आ सकते हैं और लगातार आगे बढ़ने का मौका हासिल कर सकते हैं। जरूरी नहीं कि आप क्रिकेट ही खेलें, आप अपनी पसंद के अनुसार हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, टेनिस, तीरंदाजी, बॉक्सिंग, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग आदि जैसे खेल या फिर शतरंज, टेबल टेनिस आदि जैसे इनडोर गेम्स को भी चुन सकते हैं।

आम से बनें खास

सचिन तेंडुलकर से लेकर महेंद्रसिंह धोनी और विराट कोहली तक तमाम खिलाड़ी सामान्य मध्यमवर्गीय परिवारों से निकले हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और जज्बे से दुनिया भर में देश का नाम रोशन किया। मगर ये युवा कामयाबी के शिखर पर इसलिए पहुंच पाए, क्योंकि इन्होंने जिस खेल को पसंद किया, उसमें पूरी तरह डूब गए। दिन-रात सीखते रहने के जज्बे से वे बिना रुके लगातार आगे बढ़ते गए। जिसके घर-परिवार, माता-पिता को शायद पूरा शहर भी नहीं जानता था, उसे देश क्या, दुनिया जानने पहचानने लगी। आप भी जो खेल पसंद करें, अगर उसमें अपनी पहचान बनाना चाहते हैं, तो उसे आधे-अधूरे मन से खेलने या टाइम-पास करने के बजाए रणनीति बनाकर उसमें आगे बढ़ें। माता-पिता को इसके लिए सहमत करें। आपकी प्रतिभा देख वे भी आपको आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

अति-आत्मविश्वास नहीं

तैयारी की दिशा में आगे बढ़ते हुए आपकी नजर हमेशा लक्ष्य पर होनी चाहिए। जरूरी नहीं कि लक्ष्य हमेशा एक ही रहे। एक उपलब्धि पाने के बाद स्वाभाविक रूप से आपका लक्ष्य उससे बड़ा हो जाता है। हां, एक बात हमेशा गांठ बांधकर रखें- अपनी उपलब्धियों को लेकर कभी भी अति-आत्मविश्वासी न हों। उपलब्धियों पर खुश जरूर हों लेकिन खुशी को कभी भी गुरूर न बनने दें।

सीखने को रहें तत्पर

किसी भी क्षेत्र में कभी कोई शत-प्रतिशत पूर्ण या पारंगत नहीं होता। ऐसे में सीखने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। आप किसी से भी सीख सकते हैं, फिर वह उम्र में आपसे बड़ा हो या छोटा। हो सकता है कि प्रतिद्वंद्वी टीम या उसके खिलाड़ी से आपको कुछ सीखने को मिल जाए। आप तभी सीख सकते हैं, जब आप इसके लिए उत्सुक रहेंगे। अपना दिमाग, आंखें और कान खुले रखेंगे।

हार से सबक

हो सकता है कि आप कभी किसी टीम या खिलाड़ी से बार-बार हार रहे हों। इससे आपकी हताशा बढ़ रही हो। आप अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए जितना परेशान होते हैं, परिणाम और बुरा होता जाता है। अगर कभी ऐसा होता है, तो चिंतित होने के बजाए सबसे पहले यह सोचें कि आखिर आपसे चूक कहां हो रही है। आखिर ऐसी कौन-सी कमजोरी है, जिसका फायदा प्रतिद्वंद्वी को मिल रहा है? उस कमजोरी को तलाशें और थोड़ी अतिरिक्त मेहनत करके उस पर काबू पाएं। हो सके, तो इस बारे में किसी कोच या सीनियर खिलाड़ी की मदद भी लें।

पढ़ाई भी साथ-साथ

ऊपर के बदले हुए मुहावरे के अनुसार बेशक आज खिलाड़ी नाम कमाने के साथ-साथ खूब पैसा भी कमा रहे हैं लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि आप पढ़ाई को पूरी तरह भूलकर खेल में रम जाएं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने और हर तरह के लोगों से स्मार्ट कम्युनिकेशन के लिए एक स्तर तक पढ़ाई भी बेहद जरूरी होती है। आप देखेंगे कि दुनिया के तमाम सफल खिलाड़ी खेलों में जोरदार प्रदर्शन के साथ-साथ अपनी बातों को भी बेहद कुशलता के साथ सामने रखते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आप अपनी पसंद के खेल को समय देने के साथ-साथ पढ़ाई पर भी ध्यान दें।

इजराइल ने गाजा में पहली बार मदद पहुंचाई

हवाई जहाज से आटा, चीनी और रेडीमेड फूड के पैकेट गिराए; गाजा में भूख से अब तक 124 मौतें

एजेंसी

गाजा, इजराइल ने हमास के खिलाफ जंग के बाद रविवार को पहली बार गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई है। इजराइली सेना आईडीएफ ने आटा, चीनी, दवाई और डिब्बाबंद खाना गाजा में हवाई मार्ग से पहुंचाया। यह कदम अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर उठाया गया। वहीं, इजराइल ने गाजा के कुछ हिस्सों में सीजफायर और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के लिए सुरक्षित रास्ते बनाने का भी ऐलान किया ताकि वहां की जनता को मदद पहुंचाया जा सके। मार्च से मई तक इजराइल ने गाजा में बाहरी सहायता पर रोक लगा दी थी। अब इजराइल का कहना है कि वह यूएन की सहायता वितरण में रुकावट नहीं डाल रहा। गाजा में इजराइल-हमास जंग को शुरू हुए 22 महीने हो चुके हैं। अब तक इस लड़ाई की वजह से 124 लोग भूख से मारे गए हैं, जिनमें से 81 बच्चे हैं। जुलाई महीने में ही भूख से 40 लोगों की मौत हुई, जिनमें 16 बच्चे हैं। इजराइली सेना ने पुष्टि की कि

उन्होंने गाजा में एयर रूट से मदद भेजना शुरू कर दिया है। इससे पहले एक इजराइली सुरक्षा अधिकारी ने शुक्रवार को उठठ को बताया था कि गाजा में भुखमरी के संकट पर बढ़ती अंतरराष्ट्रीय आलोचना के बीच इजराइल विदेशी देशों को गाजा में एयर रूट से मदद भेजने की इजाजत देगा। अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचील लेइटर ने शनिवार को बताया कि इजराइली सेना रविवार से गाजा के लिए ूमेटेरियन कॉरिडोर खोलेगी। इनका मकसद गाजा की आबादी के लिए मानवीय सहायता बढ़ाना है। गाजा में रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों ने बताया कि वहां 50 ग्राम के बिस्किट के पैकेट की कीमत 750 रुपए है। नकद पैसे निकालने के लिए 45% तक कमीशन देना पड़ता है। हालात इतने खराब हैं कि लोग नमक खाकर और पानी पीकर काम चला रहे हैं। एक पत्रकार ने बताया कि 21 महीने में मेरा वजन 30 किलो घट गया है। थकान बनी रहती है और चक्कर आते रहते हैं। दक्षिणी गाजा के नासिर अस्पताल में काम करने वाले एक हेल्थ अधिकारी का कहना है कि गाजा में सभी भुखमरी के संकट से जूझ रहे हैं। कुपोषण से मरने वाले बच्चों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। उनका कहना है कि गाजा में जब युद्ध शुरू हुआ तो अस्पताल से सबसे ज्यादा संख्या हवाई हमलों में घायल होने वाले लोगों की होती थी, लेकिन अब उनकी जगह कुपोषण के शिकार बच्चों ने ले ली है। वहीं, यूएन का कहना है कि गाजा में एक तिहाई आबादी को कई दिनों में एक बार भोजन नसीब हो रहा है। गाजा में भुखमरी को देखते हुए ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने एक संयुक्त बयान जारी किया है। उन्होंने कहा- बंधकों की रिहाई से पहले तत्काल युद्धविराम करना चाहिए। गाजा के नागरिकों को बिना किसी देरी के भोजन और पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इजराइल को अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता कानून के तहत अपने दायित्वों को निभाना चाहिए। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हमास शांति नहीं चाहता, बल्कि मरना चाहता है। उन्होंने इजराइल से गाजा में मकसद पूरा करने और सैन्य अभियान तेज करने को कहा है।

अमेरिकी जनरल कुरिल्ला को पाक का सबसे बड़ा सैन्य सम्मान

पाकिस्तान को आतंकवाद से लड़ने वाला कहा था, भारत ने विरोध जताया था

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान ने अमेरिका के सेंट्रल कमांड प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला को देश के सबसे बड़े सैन्य सम्मान निशान-ए-इम्तियाज से नवाजा है। यह सम्मान इस्लामाबाद में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दिया। जनरल कुरिल्ला को यह सम्मान क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा देने और पाकिस्तान-अमेरिका सैन्य संबंधों को मजबूत करने के लिए दिया गया। जनरल कुरिल्ला ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी और सेना प्रमुख असीम मुनीर

से मुलाकातें कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सम्मान के जरिए पाकिस्तान, अमेरिका के लिए अपनी वफादारी जाहिर कर रहा है। जनरल कुरिल्ला ने पिछले महीने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मजबूत सहयोगी बताया था। तब उन्होंने कहा था कि अमेरिका को पाकिस्तान और भारत दोनों से रिश्ते रखने होंगे। ये बाइनरी स्विच नहीं है कि एक से रिश्ता रखेंगे तो दूसरे से नहीं रख सकते। हमे रिश्तों के फायदों को देखना चाहिए। इसके जवाब में भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुआ आतंकी हमला सीमा पार आतंकवाद का हालिया उदाहरण है। पाकिस्तान ने जनरल कुरिल्ला को सैन्य सम्मान देने का कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब वो आर्थिक संकट और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के दबाव से जूझ रहा है। पाकिस्तान जून 2018 से अक्टूबर 2022 तक एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में था। भारत ने हाल ही में पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान पर टेरर फंडिंग रोकने में नाकामी का आरोप लगाते हुए एफएटीएफ से ग्रे लिस्ट में वापस डालने की मांग की है। अमेरिका, एफएटीएफ का संस्थापक सदस्य होने के नाते, इस संगठन की नीतियों और टेरर फंडिंग पर नजर रखने में अहम भूमिका निभाता है। इस सम्मान के जरिए पाकिस्तान अमेरिका के साथ अपने रिश्ते सुधारना चाहता है, ताकि आर्थिक मदद और एफएटीएफ से राहत पाने में सहायता मिले।

साथ ही, यह कदम यह भी दिखाता है कि पाकिस्तान पूरी तरह से चीन पर निर्भर नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के शख्स पर जानलेवा हमला

हमलावरों ने हाथ से कलाई काटी, पीड़ित की रीढ़ में फ्रैक्चर और सिर में गंभीर चोट

एजेंसी

कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया में शनिवार को भारतीय मूल के एक नागरिक सौरभ आनंद पर मेलबर्न के सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के बाहर पांच नाबालिगों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों में सौरभ के हाथ से उनकी कलाई काट दी। सौरभ ने बताया कि शाम को फामेर्सी से दवा लेकर लौट रहे थे। इस दौरान एक दोस्त से फोन पर बात कर रहे थे, तभी पांचों लड़कों ने पीछे से उन पर हमला कर दिया। एक लड़के ने उनकी जेब टटोली, दूसरे ने उन्हें मुक्कों से पीटा, और तीसरे ने चाकू उनकी गर्दन पर रखा। सौरभ ने बचाव में हाथ उठाया, तो उसी चाकू से उनकी कलाई काट दी। सौरभ ने अस्पताल में बताया कि- मुझे बस दर्द याद है, मेरा हाथ बस एक धागे से लटक रहा था। हमले मे उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर टूटने और सिर में चोटें आईं हैं। राहगीरों ने सौरभ की चीखें सुनीं और इमरजेंसी सर्विस को बुलाया। रॉयल मेलबर्न अस्पताल में सर्जनों ने कई घंटों की सर्जरी के बाद उनके हाथ को जोड़ा, लेकिन शुरू में इसे काटने की बात भी हुई थी। उनकी कलाई और हाथ में स्क्रू डाले गए हैं। सौरभ सीरियस मेडिकल निगरानी में हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अभी उनकी रिकवरी को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता। सौरभ ने कहा- मैं अपना हाथ हिला नहीं सकता,

बस दर्द महसूस होता है। पुलिस ने पांच में से चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। एक 14 साल के आरोपी पर गंभीर चोट पहुंचाने, लूट और गैरकानूनी हमले के आरोप हैं। वहीं दो 15 साल और एक अन्य 14 साल के आरोपी पर भी अलग-अलग आरोप लगे हैं। ये सभी अगस्त में कोर्ट में पेश होंगे। सौरभ ने दुख जताया कि दो आरोपियों को जमानत मिल गई। उन्होंने कहा, मैं न्याय चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि यह घटना बदलाव का कारण बने। ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड शहर में भी 4 दिन पहले एक भारतीय छात्र पर बेरहमी से हमला किया गया था। तब चरणप्रीत सिंह अपनी पत्नी के साथ कार से शहर के लाइट शो देखने निकला था। इसी दौरान किंटोर एवेन्यू के पास रात 9 बजे कार पार्किंग को लेकर उसकी स्थानीय लोगों से बहस हो गई। लड़कों ने चरणप्रीत को नस्लीय गालियां दी और उनपर हिंसक हमला किया। चरणप्रीत ने कहा- जब ऐसी घटनाएं होती हैं, तो वापस अपने देश लौट जाने का मन करता है। आप अपने शरीर में कुछ भी बदल सकते हैं, लेकिन रंग नहीं बदल सकते। इस हमले का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पांच लोग चरणप्रीत के चेहरे और पेट पर पर मुक्के और लातों से हमला करते हुए दिख रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी उन्हें रोकने की कोशिश कर रही थी।

ट्रम्प बोले- थाईलैंड-कंबोडिया सीजफायर पर राजी

दोनों देशों की जंग भारत-पाकिस्तान संघर्ष की याद दिलाती है, जिसे हमने रोका था

एजेंसी

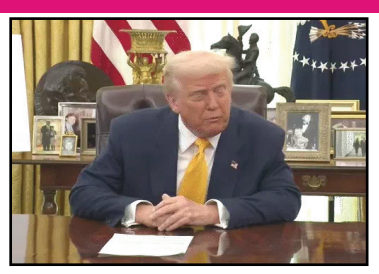

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को दावा किया कि थाईलैंड और कंबोडिया के नेताओं ने तुरंत सीजफायर वार्ता पर सहमति दे दी है। ट्रम्प ने कहा कि यह वॉर मुझे भारत-पाक संघर्ष की याद दिलाती है, जिसे हमने कामयाबी से रोका था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्कॉटलैंड यात्रा के दौरान सोशल मीडिया पर लिखा कि तीन दिन से जारी सीमा विवाद के बीच उन्होंने दोनों देशों से सीधे बात की और साफ किया

कि अगर संघर्ष जारी रहा तो अमेरिका कोई व्यापार समझौता नहीं करेगा। इधर, थाई प्रधानमंत्री फुमथम ने ट्रम्प को धन्यवाद देते हुए कहा कि थाईलैंड सीजफायर के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए कंबोडिया का भी सीरियस होना जरूरी है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक हजार साल पुराने दो शिव मंदिरों को लेकर शुरू हुआ संघर्ष शनिवार को भी जारी रहा। इस संघर्ष में अब तक 33 लोगों की मौत हो गई। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक लड़ाई में उसके 13 लोगों की मौत हुई है। इनमें 8 नागरिक और 5 सैनिक शामिल हैं। इसके अलावा 71 लोग घायल हुए हैं। वहीं, थाईलैंड के भी 20 लोग मारे गए हैं। इनमें 14 नागरिक और 6 सैनिक शामिल है। कंबोडिया ने थाईलैंड पर जानबूझकर हमला करने का आरोप लगाया है और कहा है कि थाई सेना उनकी संप्रभुता का उल्लंघन कर रही है। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने शनिवार को दावा किया कि मलेशिया की मध्यस्थता में 24 जुलाई की रात दोनों ही देश सीजफायर पर समहत हुए थे, लेकिन समझौते पर पहुंचने के 1 घंटे से भी कम वक्त में थाईलैंड ने अपना रुख बदल दिया और समझौते से हट गया। यूएन सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी बैठक में कंबोडिया ने जंग को रुकवाने की मांग की है।

'बहुत निकम्मी चीज...', नितिन गडकरी ने सरकार पर साधा निशाना, बताई अपनी इच्छा

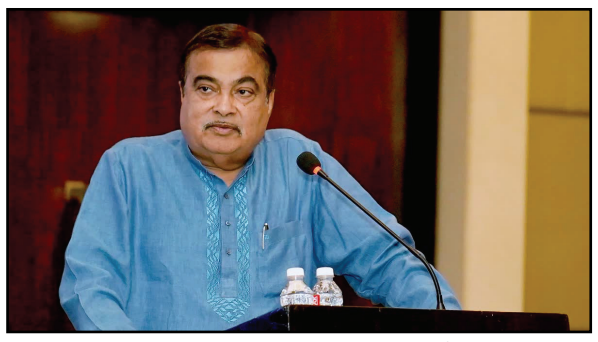

नितिन गडकरी ने नागपुर नगर निगम और एनआईटी जैसी नागरिक और प्रशासनिक संस्थाओं पर निशाना साधा है.

एजेंसी

मुंबईः अपने बेबाक बयानों के लिए मशहूर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को सार्वजनिक रूप से सरकारी व्यवस्थाओं को 'अप्रभावी' और 'निकम्मा' करार दिया. महाराष्ट्र के नागपुर के सुरेश भट ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम में बोलते हुए गडकरी ने नागपुर नगर निगम और जैसी नागरिक और प्रशासनिक संस्थाओं पर निशाना साधते हुए कहा कि ये संस्थाएं केवल 'चलती गाड़ी को पंक्चर' करने का काम करती हैं. गडकरी ने कहा, चाहे एनएमसी हो, एनआईटी हो या कोई और सरकारी एजेंसी इनमें से कोई भी उपयोगी नहीं है. ये चलती गाड़ी को पंक्चर करने का काम करती हैं. इसलिए हमें काम करने के वैकल्पिक तरीके खोजने होंगे.

'300 स्टेडियम बनाने की इच्छा'

केंद्रीय मंत्री ने कहा , ... मेरी बहुत इच्छा है कि मैं नागपुर में खेलने के लिए 300 स्टेडियम बनाना है. मेरे 4 साल के अनुभव के बाद मुझे ये समझ आया कि सरकार जो चीज होती है बहुत निकम्मी होती है... मैं तो राजनीति में हूं, यहां तो फोकट का बाजार लगा होता है. हर चीज लोगों को फोकट में चाहिए.

'मिनिमम होगी फीस'

उन्होंने दुबई का एक उदाहरण दिया जहां एक निजी संचालक ने एक स्टेडियम का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया. गडकरी ने बताया, दुबई का एक व्यक्ति जो वहां स्टेडियम चलाता है, उसे अब नागपुर में भी इसी तरह की एक परियोजना सौंपी गई. सरकार जमीन, पानी और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराएगी, लेकिन सुविधा के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी उसी की होगी.फोकट में किसी को कुछ नहीं सिखाना चाहिए.उन्होंने आगे कहा, वह विभिन्न खेलों में भाग लेने वाले युवाओं से एक छोटी सी फीस लेंगे - क्योंकि मुफ़्त सेवाओं की कभी कद्र नहीं होती. जब लोग भुगतान करते हैं, तो वे चीजों को गंभीरता से लेते हैं और ज्यादा मेहनत करते हैं.गडकरी द्वारा सरकारी एजेंसियों की तीखी आलोचना, खासकर एक वरिष्ठ मंत्री के तौर पर, ने सार्वजनिक प्रणालियों की दक्षता और बुनियादी ढांचे के विकास के वैकल्पिक मॉडलों पर चर्चा को फिर से शुरू कर दिया है. उनकी टिप्पणियों की राजनीतिक हलकों में प्रशंसा और आलोचना दोनों हो रही है.

कश्मीर की साझी सांस्कृतिक विरासत को फिर जीवित करने की जरूरत: न्यायमूर्ति गवई

मुख्य न्यायाधीश ने श्रीनगर में कहा कि, कश्मीर की पारंपरिक सांप्रदायिक सौहार्द को बहाल करने और अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने की आवश्यकता है.

संविधान और सामाजिक समावेशन की बात

डॉ. भीमराव अंबेडकर का उल्लेख करते हुए उखक गवई ने कहा कि भारत के संविधान निमार्ता ने राजनीतिक न्याय की नींव ह्यएक व्यक्ति, एक वोट के माध्यम से रखी, लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया था कि सामाजिक वर्गों के बीच पारगमन अब भी एक बड़ी चुनौती है. न्यायपालिका और विधिक समुदाय को मिलकर इस सामाजिक संतुलन की दिशा में कार्य करना होगा.

एजेंसी

श्रीनगरः भारत के मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति बी. आर. गवई ने रविवार को कहा कि जब तक आम नागरिकों को अपने अधिकारों की जानकारी नहीं होगी, तब तक वे अधिकार किसी उपयोग के नहीं हैं. उन्होंने यह वक्तव्य श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दिया. अपने संबोधन में ने जोर देकर कहा कि नागरिकों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना बेहद आवश्यक है, ताकि वे न्याय प्रणाली का पूरा लाभ उठा सकें. उन्होंने कहा, हमने संविधान के माध्यम से स्वयं को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय का वादा किया है. जब तक नागरिकों को उनके अधिकारों की जानकारी नहीं होगी, तब तक ये अधिकार उनके लिए निष्क्रिय रहेंगे. मुख्य न्यायधीश ने यह भी कहा कि न्यायाधीशों और अधिवक्ताओं को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश के अंतिम व्यक्ति को भी न्याय प्राप्त हो. उन्होंने बताया कि ठअछरअ इस दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है और देश के दूरदराज के क्षेत्रों जैसे लद्दाख, पूर्वोत्तर और राजस्थान तक अपनी सेवाएं पहुंचा रहा है.

कश्मीर की पारंपरिक सांप्रदायिक सौहार्द की वापसी पर जोर

अपने भाषण में न्यायमूर्ति गवई ने कश्मीर के बीते 35 वर्षों की स्थितियों की ओर संकेत करते हुए कहा कि समय आ गया है कि इन विकृतियों को दूर किया जाए और एक बार फिर उस पारंपरिक कश्मीर की पुनर्स्थापना की जाए, जहां सभी समुदाय–हिंदू, मुस्लिम और सिख–आपसी सद्भाव और शांति से रहते थे. उन्होंने कहा, यह संवाद–न्यायाधीशों और अधिवक्ताओं के बीच–एक नई दृष्टि प्रदान करेगा. मुझे विश्वास है कि यह सम्मेलन पुराने कश्मीर की भावना को पुनर्जीवित करने में सहायक होगा.

लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के बार प्रतिनिधियों की मांगों पर प्रतिक्रिया

सम्मेलन के दौरान लद्दाख, कश्मीर और जम्मू के अधिवक्ताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए उखक ने स्पष्ट किया कि भले ही उनके पास इन मांगों को सीधे हल करने का अधिकार नहीं है, लेकिन वे इन विषयों को संबंधित अधिकारियों और कोलेजियम के समक्ष अवश्य प्रस्तुत करेंगे.

संसद मॉनसून सत्रः ऑपरेशन सिंदूर पर डिबेट आज, सत्तापक्ष और विपक्ष होंगे आमने-सामने

संसद में आज पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर तीखी डिबेट हो सकती है . सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों लोकसभा में अपनी बात रखेंगे .

एजेंसी

नई दिल्लीः संसद के मॉनसून सत्र का दूसरा सप्ताह कल यानी 28 जुलाई से शुरू होगा. पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ गया था. सोमवार को लोकसभा में पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर डिबेट होने की संभावना है. सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े दो मुद्दों पर आमने-सामने होंगे. भाजपा नीत एनडीए गठबंधन और विपक्षी दलों द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा के दौरान अपने शीर्ष नेताओं को मैदान में उतारने की उम्मीद है. कांग्रेस पार्टी ने अपने लोकसभा सांसदों को तीन दिन तक सदन में उपस्थित रहने के लिए थ्री-लाइन व्हिप जारी किया है. सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर इन मुद्दों पर बोलेंगे. उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपनी सरकार के ऱमजबूतऱ रुख के ट्रैक रिकॉर्ड से अवगत कराने के लिए अपनी बात रख सकते हैं. वहीं, दोनों सदनों में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव तथा अन्य नेताओं के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं.दोनों सदनों में 16-16 घंटे की बहससंसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 25 जुलाई को कहा था कि सत्र का पहला सप्ताह हंगामे के कारण बाधित रहा और विपक्ष ने सोमवार को लोकसभा में और उसके बाद मंगलवार को राज्यसभा में इन दोनों मुद्दों पर चर्चा शुरू करने पर सहमति जताई है.

मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान में भारी बारिश का रेड अलर्ट

गौरीकुंड में लैंडस्लाइड, केदारनाथ रूट बंद; ओडिशा में बैतरणी नदी खतरे के निशान पर

रुद्रप्रयाग में रात भर से जारी बारिश के कारण 1600 से ज्यादा चारधाम तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। बारिश के कारण पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर गिर गए और गौरीकुंड के पास केदारनाथ जाने वाला मार्ग अवरुद्ध हो गया। अभी भी 700 तीर्थयात्रियों को निकालने की प्रक्रिया जारी है।

एजेंसी

नई दिल्ली ,मौसम विभाग ने रविवार के लिए पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश और गुजरात में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण-गोवा, कर्नाटक, केरल, असम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है इधर, ओडिशा सरकार ने शनिवार को बालासोर, भद्रक और जाजपुर के अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रखा है। कई नदियां उफान पर हैं, इसलिए निचले इलाकों से लोगों को निकालने को कहा गया है। जलाका और बैतरणी नदी का जलस्तर पहले ही

खतरे के निशान को पार कर चुका है, जबकि बालासोर में सुवर्णरेखा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। दक्षिणी राज्य केरल में अगले 5 दिन तक बारिश जारी रहने की संभावना है। साथ ही रविवार तक 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। तेज हवाओं और समुद्र में उथल-पुथल के कारण 30 जुलाई तक केरल-कर्नाटक-लक्षद्वीप तटों पर मछली पकड़ने से मना किया गया है। हिमाचल प्रदेश में भी 29 जुलाई तक चार जिलों चंबा, कांगड़ा, मंडी और कुल्लू के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

किसान ने उफनती नदी में कूदकर बचाई बैलों की जान

छिंदवाड़ा के हर्रई के राजढाना में उफनती नदी की पुलिया के किनारे से एक बैलगाड़ी बह गई। इससे दो बैलों तेज बहाव में बहने लगे। किसान ने नदी में कूदकर अपने बैलों की जान बचाई।

केरल के इडुक्की में भूस्खलन, चपेट में आए ट्रक चालक की मौत

केरल के इडुक्की ज़िले के मुन्नार में देवीकुलम रोड पर एक ट्रक चालक की दुर्घटना में मौत हो गई। शनिवार रात हुई इस दुर्घटना में ट्रक चालक गणेशन की मौत हो गई, जबकि ट्रक में सवार एक अन्य व्यक्ति बच गया ।यह दुर्घटना देवीकुलम रोड के पास बॉटनिकल गार्डन के पास भूस्खलन के बाद हुई।